भारत निविदा लाईन समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

अनन्या पांडे बनीं फ्रेंच ब्रांड चैनल की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर

■ वर्ष : 18 ■ अंक:27 ■ नई दिल्ली 11 से 17 अप्रैल 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

नड्डा की जगह कौन, पीएम आवास पर हुई अहम बैठक

एक हफ्ते में हो सकता है फैसला, राज्यों के अध्यक्ष पर भी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम आवास पर पार्टी नेताओं संग अहम बैठक की। सूत्रों के मुताबिक एक हफ्ते के भीतर पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा हो सकती है। बैठक में कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के अध्यक्षों के नामों पर चर्चा हुई है। अगले दो-तीन दिनों में करीब आधा दर्जन राज्यों के अध्यक्षों की घोषणा हो सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया 20 अप्रैल के बाद कभी भी शुरू हो सकती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी में होना था, लेकिन अप्रैल आधा बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है। जेपी नड्डा जनवरी, 2020 से राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। पार्टी संविधान के मुताबिक उनका कार्यकाल जनवरी, 2023 में खत्म हो गया, लेकिन लोकसभा चुनाव समेत कई बड़े चुनावों के मद्देनजर उनका कार्यकाल आगे बढ़ा दिया गया। भाजपा के एक नेता ने कहा- जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा 2029 का लोकसभा चुनाव उसी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

नई टीम में महिलाओं को 33 फीसदी जगह संभव

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा- नए अध्यक्ष की घोषणा के बाद राष्ट्रीय परिषद व कार्यकारिणी में 33 फीसदी तक सीटें महिलाओं को दिए जाने का प्लान है। संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। पार्टी के विभिन्न संगठनों में भी महिला भागीदारी बढ़ेगी। संघ इस पर सहमति चाहता है कि भाजपा सहित सभी आनुषांगिक संगठनों में विचारधारा के प्रति समर्पित युवाओं को तरजीह मिले। वैचारिक रूप से अलग होने के बावजूद विचारधारा और संगठन के प्रति समर्पण जिम्मेदारी देने का एकमात्र पैमाना हो। पहली कतार के नेता ऐसा फ्रेम वर्क दें, जिससे कार्यकर्ता भविष्य में विकल्प बन सकें। यह व्यवस्था राष्ट्रीय अध्यक्ष या उनकी टीम तक नहीं, बल्कि पूरी राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद तक में हो।

पटना में महागठबंधन की बैठक, सीएम फेस-सीट शेयरिंग पर चर्चा

पटना (एजेंसी)। पटना में गुरुवार को महागठबंधन की बैठक हुई। मीटिंग में आरजेडी से तेजस्वी यादव, संजय यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मंदन मोहन झा, वीआईपी

से पार्टी अध्यक्ष मुकेश सहनी, देव ज्योति, अन्य से केडी यादव, अजय कुमार, राज्य सचिव कुणाल मौजूद रहे। इस दौरान चुनावी रणनीतियों, सीट बंटवारा, सीएम फेस समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। 2 दिन पहले दिल्ली में भी राजद-कांग्रेस की बैठक हुई थी। बैठक में जाने से पहले मुकेश सहनी ने कहा कि एनडीए वाले कमजोर हैं, इसलिए चाहते हैं हम आ जाएं।

भारत ने सुरक्षा परिषद में दिया सुधार का प्रस्ताव

- इस्लामिक देशों के आरक्षण के प्रस्ताव को यूएन में ठुकराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। जी-4 देश, जिसमें भारत, ब्राजील, जापान और जर्मनी हैं, उसने यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार लाने के लिए कई प्रस्ताव पेश किए हैं। इसके तहत जी-4 देशों ने यूएनएससी में

इस्लामिक देशों के लिए आरक्षण की मांग का विरोध किया, जिससे प्रस्ताव खारिज हो गया। वहीं भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 11 स्थायी सदस्यों के साथ कुल 25 या 26 सदस्यों तक विस्तार करने का सुझाव दिया है। भारत ने इस्लामिक देशों के आरक्षण का विरोध किया है।

बंगाली हिंदुओं के लिए खतरा हैं सीएम ममता

- मिथुन चक्रवर्ती बोले-उन्होंने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून हिंसा विवाद के बीच भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा- ममता बनर्जी बंगाली हिंदुओं के लिए खतरा बन चुकी हैं। बंगाली हिंदू बेघर हैं, राहत शिविरों में

खिचड़ी खाने को मजबूर हैं। उनका क्या दोष है। साथ ही उन्होंने कहा- राज्य में भाजपा नहीं, ममता बनर्जी ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। वो समुदायों के बीच अशांति पैदा कर रही हैं। दरअसल, बुधवार को ममता बनर्जी ने इमामों की सभा में कहा था- मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था।

नई नियुक्ति पर रोक

संपत्तियां पहले जैसी ही रहेंगी

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दिया फिलहाल कोई स्टे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ कानून को लेकर गुरुवार को दूसरे दिन सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट से जवाब देने के लिए एक हफ्ते का समय मांगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को 7 दिन का

- केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए दिया एक हफ्ते का वक्त

वक्त दिया। वहीं शीर्ष कोर्ट ने कहा कि फिलहाल इस कानून को लेकर पहले जैसी स्थिति बनी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक वक्फ बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। केंद्र सरकार का जवाब आने तक वक्फ की संपत्ति पहले जैसी बनी रहेगी। अगली सुनवाई तक कलेक्टर वक्फ संपत्ति को लेकर कोई आदेश जारी नहीं करेंगे। चीफ

जस्टिस ने कहा कि अगली सुनवाई तक बोर्ड या काउंसिल की नियुक्ति नहीं हो सकती, और अगर 1995 के अधिनियम के तहत पंजीकरण हुआ है तो उन संपत्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता। हम कह रहे हैं कि कार्यपालिका निर्णय लेती है और न्यायपालिका निर्णय लेती है। सीजेआई ने कुछ खास लोगों को 2013 के कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब दाखिल करने की इजाजत दी है। यह एक विशेष मामला है। सीजेआई ने कहा, याचिकाकर्ताओं को जवाब दाखिल करने की अनुमति है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और वक्फ बोर्ड भी 7 दिनों के अंदर अपना जवाब दाखिल कर सकते हैं। सभी को जल्द से जल्द जवाब देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार के जवाब के बाद याचिकाकर्ता सिर्फ 5 याचिकाएं ही दें। सुनवाई में कोर्ट ने कुछ अहम बातें कही हैं। कोर्ट ने कहा है कि वह तीन मुद्दों पर अंतरिम आदेश जारी करेगा। इसका मतलब है कि कोर्ट अभी कुछ समय के लिए ये नियम लागू करेगा। पहला मुद्दा वक्फ संपत्तियों से जुड़ा है। कोर्ट ने कहा, जिन संपत्तियों को कोर्ट ने वक्फ घोषित कर दिया है, उन्हें वक्फ से हटाया नहीं जाएगा। चाहे वो वक्फ इस्तेमाल से बनी हो या घोषणा से, उन्हें वक्फ ही माना जाएगा। दूसरा मुद्दा कलेक्टर की कार्यवाही से जुड़ा है। कलेक्टर अपनी कार्यवाही जारी रख सकते हैं। लेकिन, कुछ प्रावधान लागू नहीं होंगे।

एएपी नेता दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के घर गुरुवार को सीबीआई ने छापेमारी की है। सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई विदेशी फंडिंग से जुड़े मामले को लेकर हो रही है। सीबीआई ने बुधवार को एएपी के खिलाफ फॉरेन

कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक- विदेशों में रहने वाले 155 लोगों ने 55 पासपोर्ट नंबरों का इस्तेमाल कर 404 बार में पार्टी को कुल1.02 करोड़ का डोनेशन दिया। कई डोनर्स ने एक ही पासपोर्ट नंबर का इस्तेमाल किया, जिससे फर्जीवाड़े का संदेह है। एएपी ने जवाब में कहा-पार्टी को विदेशियों ने डोनेशन दिया।

जब तक नई नियुक्तियां नहीं अपने पद पर बने रहेंगे शिक्षक

- बंगाल एसएससी घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने दे दी बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से शिक्षक भर्ती घोटाले में शिक्षकों को एक बड़ी राहत दी गई है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि जब तक नई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं हो जाती, शिक्षक अपने पद पर बने रह सकते हैं। यहां पर समझने वाली बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट की राहत उन्हीं शिक्षकों को मिलने वाली है जिनकी नियुक्ति में किसी तरह की कोई धांधली नहीं हुई थी। यहां पर समझने वाली बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के बाद 26 हजार के करीब शिक्षकों का भविष्य अंधकार में आ गया था। जिन शिक्षकों की नियुक्ति में धांधली पाई गई, उनकी नौकरी तो गई ही, इसके साथ-साथ उस समय सही

तरीके से भी जिनकी नियुक्तियां हुई थीं, उन्हें भी नुकसान उठाना पड़ा। लेकिन अब उन निर्दोष शिक्षकों को ही सुप्रीम कोर्ट ने कुछ समय के लिए राहत दे दी है। नई नियुक्ति शुरू होने तक वे अपने पद पर बने रहेंगे। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति ग्रुप सी या फिर ग्रुप डी में आती है, उन्हें कोई राहत नहीं मिलने वाली है। ऐसा इसलिए क्योंकि उन दोनों ही कैटेगरी में धांधली के मामले में ज्यादा हैं। सर्वोच्च अदालत ने राज्य सरकार को भी निर्देश दिए हैं कि वो 31 मार्च से नई प्रक्रिया शुरू करे और उसे 31 दिसंबर तक पूरा भी कर ले।

तमिलनाडु के मंत्री का महिलाओं-हिंदू तिलक पर अश्लील कमेंट

मद्रास हाईकोर्ट बोला- लगता नहीं जुबान फिसली थी, पुलिस एफआईआर करे, नहीं तो एक्शन होगा

एजेंसी ■ चेन्नई

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के वन मंत्री के पोनमुडी से शैव, वैष्णव और सामान्य रूप से महिलाओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप से अश्लील कमेंट करने पर सवाल किया। कोर्ट ने यह जानना चाहा कि तमिलनाडु पुलिस ने उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की है।

हाईकोर्ट पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में बरी किए

जाने के खिलाफ 2023 में ली गई रिव्यू पिटीशन की सुनवाई कर रहा था। इसी दौरान जज ने महाधिवक्ता पीएस रमन को बुलाया और पोनमुडी की अश्लील और निंदनीय टिप्पणी पर नाराजगी जताई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का हवाला देते हुए जज ने कहा कि ऐसा लगता है कि मंत्री ने पूरे होश-ओ-हवाश में ये बातें कही थीं। ऐसा नहीं लगता कि उनकी जुबान फिसली थी जो उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगकर पूरे मामले को दरकिनार कर दिया।

मद्रास हाईकोर्ट ने पुलिस को चेतावनी दी है कि या तो तमिलनाडु के मंत्री पोनमुडी के खिलाफ FIR दर्ज करें या अवमानना का सामना करें। मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी।

नया रिकॉर्ड: सोना पहली बार 95 हजार पर पहुंचा

मंदी की आशंका और शादी सीजन से बढ़ी मांग, अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर का भी असर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक बाजार में गुरुवार (17 अप्रैल) को सोने में एक बार भी बड़ी तेजी को देखने को मिली और ये कीमती धातु पहली बार 95 हजार के पार पहुंच गई। घरेलू फ्यूचर्स मार्केट यानी MCX सुबह के सेशन में 95935 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड लेवल तक पहुंच गया, जोकि एक लाख के मनोवैज्ञानिक स्तर से 5 फीसदी ही दूर है। 22 कैरेट सोना 87860 प्रति 10 ग्राम बिक रहा। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में सोना $3,333 प्रति औंस के नए रिकॉर्ड पर पहुंचा। सोने की कीमतों में इजाफे के घरेलू के साथ ही ग्लोबल कारण हैं। सबसे पहले, अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी में अनिश्चितता और डॉलर की कमजोरी ने निवेशकों को 'सेफ हेवन' यानी सुरक्षित निवेश के विकल्प की ओर मोड़ा है। अमेरिका के ट्रेजरी बॉन्ड्स में कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं, जिससे गोल्ड की मांग और इजाफा हो गया है। चीन ने इस साल की पहली तिमाही में 12.8 टन सोना खरीदा है। चीन के विदेशी मुद्रा भंडार में भी 2.3% की बढ़त दर्ज हुई है, जो अब $3.5 ट्रिलियन तक पहुंच गया है। यह साफ संकेत है कि चीन गोल्ड को लेकर आक्रामक रणनीति अपना रहा। निवेशकों ने अब कैश से ज्यादा भरोसा फिजिकल गोल्ड पर दिखाना शुरू कर दिया है।

सेंसेक्स में 1509 अंक चढ़कर 78,553 पर बंद

वीकली एक्सपायरी के दिन बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली. बाजार गिरावट के साथ खुला था. हालांकि सुबह 11 बजे के बाद बाजार में अचानक तेजी शुरू हुई. दिन में मजबूती बढ़ती चली गई. आखिर में सेंसेक्स 1,509 और निफ्टी 414 अंक चढ़कर बंद हुआ. इस बड़ी तेजी के पीछे टैरिफ को लेकर आई राहत की खबर है. दरअसल चीन, अमेरिका के साथ बातचीत को तैयार है. इसके अलावा बुधवार को FIIs की ओर से 3,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीदारी देखने को मिली है.

मनरेगा मजदूरी नहीं बढ़ाना श्रमिक अधिकार पर आघात : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी नहीं बढ़ाना कामगारों के साथ अन्याय है और ऐसा नहीं करके मोदी सरकार अपनी श्रमिक विरोधी नीति के कारण मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है।

श्री खरगे ने कहा, "ऐसा लगता है कि जनविरोधी मोदी सरकार ने मनरेगा की मजदूरी बढ़ाने से इनकार कर दिया है। ये मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर कुल्हाड़ी

चलाना है। हाल ही, में संयुक्त संसदीय समिति ने मनरेगा श्रमिकों की रोजाना मजदूरी को 400 रुपये करने की सिफारिश की थी। वर्ष 2023 में बनी अमरजीत सिन्हा की उच्च स्तरीय समिति ने भी मजदूरी बढ़ाने और मनरेगा का बजट बढ़ाने का सुझाव दिया था। पर गरीब विरोधी मोदी सरकार, एक के बाद एक मनरेगा मजदूरों पर जुल्म ढ़ाने पर उतारू है। करीब सात करोड़ पंजीकृत वर्करों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगा बाहर करना हो, या फिर 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन करना हो, मोदी सरकार ने मनरेगा पर लगातार चोट मारने का काम किया है।"

उन्होंने कहा, "मनरेगा-हमारे देश के सबसे गरीब परिवारों के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा लाया रोजगार की गारंटी का अधिकार है। हम अपनी दो माँगों पर अडिग हैं, मनरेगा श्रमिकों के लिए रोजाना 400 रुपये की न्यूनतम मजदूरी तय की जाए और उन्हें साल में कम से कम 150 दिन का काम मिले।

कोई शक्ति राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती: धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की असीमित स्वतंत्रता पर सवाल करते हुए गुरुवार को कहा कि कोई शक्ति किसी भी आधार पर राष्ट्रपति को कोई निर्देश नहीं दे सकती।

श्री धनखड़ ने उप राष्ट्रपति निवास पर राज्यसभा के छठे बैच के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं बनायी जा सकती कि कोई राष्ट्रपति को निर्देश दे सके। न्यायपालिका की भूमिका परामर्श की है। उन्होंने कहा, परामर्श सहमति नहीं है, परामर्श केवल परामर्श है। उप राष्ट्रपति का यह वक्तव्य उच्चतम न्यायालय के हाल के

उस निर्णय के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि राष्ट्रपति को विचार के लिए भेजे विधेयकों पर अधिकतम तीन महीने के भीतर फैसला करना होगा।

श्री धनखड़ ने कहा कि भारत के राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च है। राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण और बचाव की शपथ लेते हैं। यह शपथ केवल राष्ट्रपति और उनके द्वारा नियुक्त राज्यपाल लेते हैं। हर कोई, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, मंत्री, सांसद, न्यायाधीश, ये सभी संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं। उन्होंने कहा, संविधान की रक्षा करने के लिए और संविधान का संरक्षण करने के लिए, वह भारत के राष्ट्रपति, सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर की शपथ है। उन्होंने कहा कि हाल के न्यायालय के एक निर्णय द्वारा राष्ट्रपति को एक निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश एक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके लिए सभी को अत्यंत संवेदनशील होना होगा।

यह किसी के समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है।

भारत बोला- पाकिस्तान को पीओके खाली करना पड़ेगा

पाकिस्तान आर्मी चीफ के टू-नेशन थ्योरी वाले बयान पर कहा- बांग्लादेश बनते ही यह थ्योरी फेल हुई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की विवादित टिप्पणियों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कश्मीर इस्लामाबाद की गले की नस है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेशी चीज किसी की गले की नस कैसे हो सकती है? इसका मतलब है, किसी बाहरी शक्ति का भारत के आंतरिक मामलों में कोई अधिकार नहीं है। जम्मू-कश्मीर भारत का केंद्र शासित प्रदेश है। पाकिस्तान से कश्मीर से एकमात्र रिश्ता यही है कि वह भारत के अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्र को खाली करे। विदेश मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान का कश्मीर से एकमात्र संबंध अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र को खाली करना है। उन्होंने पूछा कि कोई विदेशी चीज गले की नस में कैसे फंस सकती है? दरअसल, यह बयान सीधे तौर पर पाकिस्तान के उस लंबे समय से चले आ रहे रुख पर करारा प्रहार है, जिसमें वह कश्मीर को अपना हिस्सा बताता आया है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की हालिया टिप्पणियों पर गुरुवार को कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत सच्चाई को स्वीकार करे और पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध बनाने की उम्मीद छोड़ दे।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'अपने हालिया संबोधन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने साफ कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गहरी वैचारिक खाई है।' मुनीर का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने यह स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान मूल रूप से अलग देश हैं, क्योंकि दोनों देशों के धर्म, रीति-रिवाज, परंपराएं, सोच और महत्वाकांक्षाएं हर पहलू में एक-दूसरे से अलग हैं।

जनरल मुनीर ने विदेश में रह रहे पाकिस्तानियों को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत और पाकिस्तान दो राष्ट्र हैं। उन्होंने कहा था, 'हम एक राष्ट्र नहीं हैं। इसीलिए हमारे पूर्वजों ने इस देश को बनाने के लिए संघर्ष किया। हमारे पूर्वजों और हमने इस देश के निर्माण के लिए बहुत त्याग किया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है।' इस दौरान उन्होंने दावा किया था कि कश्मीर इस्लामाबाद की गले की नस है। इस बयान को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है।

हरियाणा: नहर विभाग ने मरम्मत के बहाने खोले गेट, किसानों की सिंचाई हुई प्रभावित

रितेश/हरियाणा: बीकेई प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह औलख ने अपनी टीम के साथ निरीक्षण के दौरान पाया कि ओटू हैड पर घग्गर का पानी गेट खोलकर आगे छोड़ा जा रहा है। सरसों की कटाई वाले खेतों में नहरी पानी से सिंचाई करके किसानों ने नरमा व कपास की बिजाई करनी है, लेकिन भ्रष्ट व कमीशनखोर नहरी विभाग ने गलत समय पर ओटू हैड पर रिपेयर का काम शुरू करके ओटू झील में सिंचाई के लिए इका किया गया पानी 7 अप्रैल को आगे छोड़ दिया था, उस समय पानी का लेवल 645 के करीब था।

औलख ने कहा कि चांदपुर हैड से लगातार 300 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जो ओटू हैड पर पहुंच रहा है, वह भी गेट खुले होने की वजह से आगे जा रहा है। 2001 में ओटू पुल का निर्माण हुआ था, 2010 में बाढ़ की वजह से गेट के आगे लगे कुछ पत्थरों (पिलरों) का नुकसान हुआ था, वह उखड़ गए थे, लेकिन वह अपने स्थान पर स्थिर थे। किसी तरह का पानी कोई कटाव नहीं हो रहा था। उन पर मिट्टी चढ़ी हुई थी और घास भी उगी हुई थी। 2023 की रिकॉर्ड तोड़ बाढ़ में भी किसी तरह का कोई कटाव नहीं हुआ था, वह पत्थर ज्यों के त्यों वहीं पर स्थिर हैं। फिर भी कमीशन के चक्कर में नहरी विभाग ने गलत समय पर रिपेयर का टेंडर निकाला जो लगभग 3 करोड़ में पास हुआ।

आज हमने देखा कि बड़ी संख्या में 4.4 फुट के पुराने पत्थरों को दोबारा लगाने की तैयारी हो रही है। जब हमने ओटू हैड पर ड्यूटी दे रहे कर्मचारी से पूछा कि कितना पानी आगे जा रहा है तो उसने झूठ बोलते हुए कहा कि 100 क्यूसेक के करीब, जबकि हमारी नजर में 250 क्यूसेक से भी ज्यादा पानी व्यर्थ में ही आगे जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरदूलगढ़ से लेकर झोरडनाली तक पानी घग्गर के अंदर आ रहा है, उसका बिखराव नहीं है। औलख ने नहरी विभाग को चेतावनी देते हुए कहा कि झोरडनाली के नजदीक बांध लगाकर पीछे से आ रहे 300 क्यूसेक पानी को जीबीएसएम खारिया व आरकेसी रत्ताखेड़ा माइनरों में छोड़ जाए, ताकि किसान सिंचाई करके नरमा व कपास की बिजाई कर सकें। गुड़गांव के रहने वाले नहरी विभाग के एसई पवन भारद्वाज सप्ताह में एक या दो दिन के लिए ही सिरसा आते हैं।

जब से उन्होंने सिरसा में कार्यभार संभाला है, विभाग में भ्रष्टाचार का पूरा बोलबाला है। एसई पवन भारद्वाज ने पिछले समय में जिस भी जिले में ड्यूटी की है, वहां उनकी भूमिका संदिग्ध रही है। ओटू हैड पर रिपेयर के लिए उन्होंने अपने चहेते ऐलनाबाद क्षेत्र में तैनात एसडीओ रघुवीर शर्मा को लगाया है। रिपेयर का ठेका भी अपने सेटिंग वाले ठेकेदार को दिया है। रिपेयरिंग का काम हमेशा जून के महीने में किया जाता है, लेकिन कमीशन के चक्कर में यह काम अप्रैल में ही शुरू कर दिया गया है, जिससे खरीफ सीजन के लिए किसानों की सिंचाई न होने से बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, जिसका जिम्मेदार एसई पवन भारद्वाज है।

हमारी मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार व सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी से अपील है कि इस पूरे प्रकरण की स्टेट विजिलेंस से जांच करवाई जाए और जिन्होंने किसानों की खरीफ सीजन की बिजाई के लिए सिंचाई की परवाह किए बिना अपने कमीशन के चक्कर में ओटू झील का पानी आगे छोड़ा है, उन सभी अधिकारियों, कर्मचारियों व ठेकेदार पर विभागीय कार्रवाई हो। इस मौके पर सुभाष न्यौल, नेमी शर्मा, हंसराज पंचार आदि किसान मौजूद रहे!

गुवाहाटी में बिहू कार्यक्रम के दौरान गायक दिगंता भारती के साथ दुर्व्यवहार

सुहैल इरफान

असम: गुवाहाटी के पब गुवाहाटी इलाके में बुधवार को आयोजित एक बिहू समारोह के दौरान असम के प्रसिद्ध गायक दिगंता भारती के साथ कथित रूप से मंच पर अपमानजनक व्यवहार किया गया। यह घटना तब सामने आई जब आयोजकों ने पहले उन्हें प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया और पारंपरिक गामोसा देकर उनका स्वागत किया।

हालांकि, बाद में उन्हें मंच से जबरदस्ती नीचे उतार दिया गया और उनका माइक भी छीन लिया गया, केवल इसलिए कि उन्होंने जींस पहन रखी थी। यह घटना उस समय घटी जब उनकी पत्नी, जानी-मानी गायिका भास्वती भारती, मंच पर प्रस्तुति दे रही थीं और दिगंता भारती दर्शकों के बीच मौजूद थे।

भास्वती भारती के अनुसार, जब आयोजकों ने दिगंता भारती को पहचान लिया, तो उन्होंने उन्हें मंच पर आमंत्रित किया और उनसे एक गीत प्रस्तुत करने का आग्रह किया। लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह बेहद अपमानजनक था।

भास्वती भारती ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के कुछ आयोजक नशे की हालत में थे और उन्होंने उनके पति के साथ न केवल बदसलूकी की, बल्कि उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित भी किया।

यह घटना राज्य की सांस्कृतिक संवेदनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बताई जा रही है और सोशल मीडिया पर भी इसकी काफी आलोचना हो रही है। कई लोग इस व्यवहार को असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के खिलाफ मान रहे हैं, जहां कलाकारों का हमेशा सम्मान किया जाता है।

फिलहाल, आयोजकों की ओर से कोई औपचारिक बयान नहीं आया है। लेकिन यह मामला अब तेजी से तूल पकड़ रहा है और लोग कलाकारों के सम्मान की रक्षा की मांग कर रहे हैं।

हरियाणा: थाना कालांवाली पुलिस ने 17 किलोग्राम लाहन शराब व सामान सहित एक को किया काबू

महिपाल सिंह

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक डबवाली सिद्धांत जैन के दिशा-निदेर्शानुसार तथा उप पुलिस अधीक्षक कालांवाली संदीप धनखड़ के कुशल नेतृत्व में अवैध शराब तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए कालांवाली पुलिस ने गांव कालांवाली से एक व्यक्ति को 17 किलोग्राम लाहन शराब व सामान के साथ काबू करने में सफलता हासिल की है। इस बारे में प्रभारी थाना कालांवाली सब इंस्पेक्टर रामफल ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान अर्जुन सिंह पुत्र बख्तोर सिंह निवासी कालांवाली के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि उप निरीक्षक जागर सिंह के नेतृत्व में एक टीम गश्त पड़ताल अपराध बस अड्डा गांव कालांवाली पर मौजूद थी कि उप निरीक्षक को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि कालांवाली में एक व्यक्ति अवैध शराब निकालकर बेचता है और आज भी शराब निकालने की फिराक में है। उप निरीक्षक ने अपने साथी कर्मचारियों को अवगत करवाकर सूचना के आधार पर बताए गए स्थान पर दबिश दी तो अर्जुन सिंह को 17 किलोग्राम शराब लाहन व सामान के साथ काबू किया गया। आरोपी अर्जुन सिंह से लाहन बरामद होने पर थाना कालांवाली में अभियोग संख्या 86 दिनांक 15.04.2025 धारा 61(ं)/72ऋ4/20 ए अ३ के तहत दर्ज करके नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई।

राजस्थान: राजस्थान पुलिस मित्र ने 'सड़क सुरक्षा' व 'नशा मुक्त' अभियान के तहत लोगों को किया जागरूक

अर्जुन दास

राजस्थान: आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोडीगामा छोटा में राजस्थान पुलिस मित्र ने "सड़क सुरक्षा" व "नशा मुक्त" अभियान के दृष्टिगत जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें स्कूली बच्चों व आम जनमानस को जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक महोदया मौनिका सैंन के निर्देशन में व पुलिस अधीक्षक थाना अधिकारी रघुवीर सिंह जी के नेतृत्व में क्षेत्र पुलिस बिट अधिकारी एवं पुलिस बिट प्रभारी व पुलिस मित्र बोडीगामा स्तर पर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत थाना साबला पुलिस मित्र द्वारा आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोडीगामा छोटा में छात्र-छात्राओं/स्टाफ के साथ गोष्ठी आयोजित कर सड़क सुरक्षा के अंतर्गत यातायात नियमों की जानकारी, सड़क दुर्घटनाओं के कारण, दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों एवं सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त नशे के सेवन व व्यापार से होने वाले दुष्परिणामों, बाल अपराध, महिला अपराध व सुरक्षा, गुड टच बैड टच, साइबर अपराधों की जानकारी दी गई।

साथ ही नाथुलाल जी एवं प्रमोद शुक्लाजी द्वारा छात्राओं-छात्रों को बहुत ही हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर बताया गया कि अपनी शिकायत निःसंकोच पुलिस को बताएं, पुलिस द्वारा हर संभव आपकी सहायता की जाएगी।

इसी क्रम में पुलिस थाना साबला राजस्थान पुलिस मित्र ने स्थानीय आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोडीगामा छोटा में उपरोक्त सभी प्रकार की जानकारी देकर राज कोप एप डाउनलोड कर जागरूक किया गया। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य भूमिका अर्जून दासजी वैष्णव, बुध अध्यक्ष मयुर शर्मा, बादल पाटीदार, प्रमोद जी शुक्ला साहब, नाथुलाल जी बुनकर द्वारा जागरूकता पैदा कर ध्यान में रखकर कानून शांति वार्ता व्यवस्था को लेकर आज राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर विशेष रूप से जानकारी दी गई छात्र-छात्राओं को।

हरियाणा: ईडी के दुरुपयोग के विरोध में डॉ. केवी सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

रितेश

हरियाणा: डबवाली नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ईडी द्वारा चार्जशीट करने के विरोध में आज डबवाली कांग्रेस कार्यकताओं ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ केवी सिंह के नेतृत्व में एसडीएम डबवाली को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध दर्ज करवाया।

ज्ञापन सौंपने के उपरांत डॉ केवी सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, लेकिन 10 वर्ष से चल रही वर्तमान सरकार अपने विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर सत्ता का दबाव डालकर इन संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी की शीर्ष नेत्री श्रीमती सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा अन्य कांग्रेसी नेताओं को नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा चार्जशीट करना विपक्ष की आवाज को दबाना है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

डॉ सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव डालकर विपक्ष की आवाज को दबाने का असफल प्रयास करना सीधा आम आदमी को दबाने और डराने का तरीका है, ताकि कोई भी आदमी सरकार का विरोध न कर सके। उन्होंने कहा कि इस कृत्य से पूरे विश्व में भारत की बदनामी हो रही है और हर वर्ग इस कृत्य के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सहित पूरी कांग्रेस पार्टी सरकार की इन कार्रवाइयों से डरने या झुकने वाली नहीं है बल्कि दुगना उभरकर सरकार के गलत कृत्यों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करवाएगी।

ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस जनों ने महामहिम राष्ट्रपति से मांग की है कि सरकार को संवैधानिक संस्थाओं के हनन से रोका जाए तथा सरकार को हिदायत दी जाए कि वह विपक्षी नेताओं की आवाज को दबाने के लिए अलोकतांत्रिक तरीके से संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव डालने का कार्य न करें और वर्तमान मामले को वापस ले, नहीं तो कांग्रेस पार्टी सरकार के खिलाफ बड़ा जन आंदोलन करेगी।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गर्ग, पीसीसी डेलीगेट विजय वर्मा, पूर्व पार्षद विनोद बंसल, पूर्व पार्षद रविंद्र बिंदु, पार्षद प्रतिनिधि राकेश वाल्मीकि, पार्षद भारत भूषण भारती, पार्षद सुमित अनेजा, गुरमेल बराड, जीत सिंह, गुरदीप कामरा, छोटू राम सहारण, सुंदर दास, सुखवंत चीमा, डॉक्टर नानक चंद, सुखदेव सिंह, प्रितपाल, अमरजीत, मुख्तियार सिंह, मास्टर मदन, डॉ मदन, आत्माराम, दीपू मेहता, जिंदर, विनीत रहेजा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह जानकारी जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर अमन भारद्वाज ने दी।

हरियाणा: विद्यालय प्रवेश हेल्प डेस्क के माध्यम से दिया जा रहा प्रवेश जागरूकता संदेश

रितेश

हरियाणा: राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कालांवाली में उपायुक्त सिरसा के दिशा-निदेर्शानुसार शहर के पंजाब बस स्टैंड पर प्रवेशोत्सव-2025 के अंतर्गत मॉडल संस्कृति विद्यालय में प्रवेश बढ़ोतरी के लिए शिक्षण हेल्प-डेस्क लगाकर विद्यार्थियों, अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है। विद्यालय प्राचार्य श्री जगदेव सिंह गिल ने बताया कि इस शिक्षण हेल्प डेस्क के माध्यम से खंड ओढ़ा के एकमात्र सीबीएसई मान्यता प्राप्त राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में कला, चिकित्सा, गैर चिकित्सा, वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए दाखिले आरंभ हो चुके हैं।

विद्यालय में अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुसज्जित हैं, शिक्षण कक्ष स्मार्ट बोर्ड आधारित है। खुला खेल मैदान, राष्ट्रीय कौशल विकास योजना द्वारा संचालित रोजगार निशुल्क व्यवसायिक शिक्षा का विद्यार्थी लाभ उठा रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, सुरक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में कौशलात्मक विकास किया जा रहा है। निजी विद्यालयों के तुलनात्मक इस विद्यालय में फीस भी बहुत कम है।

आर्थिक दृष्टि से कमजोर परिवार भी विद्यार्थियों को सीबीएसई शिक्षा दिलाने में सक्षम हो रहे हैं। खंड मीडिया प्रभारी मनोहर खनगवाल ने बताया कि अप्रैल का पूरा माह शिक्षण हेल्प डेस्क के माध्यम से विद्यालय प्रवेश जागरूकता अभियान का संचालन किया जाएगा। प्रतिदिन विषय आधारित शिक्षक लोगों को मॉडल संस्कृति विद्यालय में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित व जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर गुरदीप सिंह, अंजू रानी, गगन डीपीई जगसीर सिंह, देवेंद्र सिंह, गुरलाल सिंह, गुलाब दीप सिद्धू, सरूप शर्मा मौजूद रहे।

महाराष्ट्र: गडचिरोली आष्टी- सिरोंचा महामार्ग पर निजी वाहन की वजह से बढ़ रही दुर्घटनाएं

महेश पांडुरंग शेंडे

महाराष्ट्र: राज्य के जिला गडचिरोली आष्टी- सिरोंचा महामार्ग पर निजी वाहन की वजह से बढ़ रहे दुर्घटनाओं के प्रमाण। इस मार्ग पर महाकाली मंदिर में साल भर यातायात में अन्य राज्यों से श्रद्धालु आते हैं। शाम के समय ट्रैफिक ज्यादा होता है। नशा करके गाड़ी चलाना इस वजह से दुर्घटनाओं के प्रमाण बढ़ रहे हैं।

इसमें निजी वाहन की अवैध रूप से तेज गाड़ी चलाना और मनमानी की वजह से राह चलते मुसाफिर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। फोटो में दिखाई गई ऋ्रूअठळ्ळअ गाड़ी ओवर स्पीड की वजह से इस मार्ग पर यातायात में परेशानी हो रही है। साथ ही ऐसे अन्य ट्रैवल द्वारा भी पैसेंजर सीट के लिए रळ महामंडल की गाड़ियों को ओवरटेक से यात्रियों को जान-मुसीबत में डालकर प्रवास किया जाता है।

इसके लिए जिम्मेदार रळ के कर्मचारियों की गैर-जिम्मेदारी की स्टाफ होने के बावजूद निर्धारित जगह बिना रोके गाड़ी ले जाते हैं। डिपो मैनेजर का नियंत्रण न होने की वजह से यात्रियों को परेशानी के साथ रळ महामंडल घाटे में है। सड़क दुर्घटना में कोई अप्रिय घटना होते ही कंपनी के सुरक्षा गार्ड द्वारा रोड पेट्रोलिंग अधिकारी को सूचित करने पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कर समय रहते लोगों को राहत मिल रही है। लॉयड मेटल एंड एनर्जी लिमिटेड कंपनी के रोड पेट्रोलिंग अधिकारी (अऱ्रूट) विनोद कुमार के निगरानी में हर मुमकिन मदद हो रही है।

इसी क्रम में शाम के समय प्रशासन स्तर पर भी पेट्रोलिंग की सुविधा उपलब्ध करे। जिलाधीकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देश में आष्टी पुलिस स्टेशन द्वारा सड़क सुरक्षा में लोगों के लिए कोई उपाय योजना करे। ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो और लोगों को सड़क सुरक्षा में राहत मिले।

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर के सरसावा से अयोध्या, सूरत के लिए विमान सेवाएं शुरू करने की मांग

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर महापौर डॉ. अजय कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मुलाकात कर सरसावा एयरपोर्ट का नाम लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर रखने तथा सरसावा एयरपोर्ट से मुंबई, दिल्ली, सूरत, लखनऊ, अयोध्या व प्रयागराज के लिए विमान सेवाएं शुरू करने की अपनी मांग दोहराई है। महापौर ने दिल्ली रोड स्थित सरोवर का नाम 'राष्ट्रीय एकता सरोवर' रखने का भी अनुरोध किया है। महापौर अजय कुमार ने इसके लिए मुख्यमंत्री को अलग-अलग पत्र भी सौंपे हैं।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गत दिवस लखनऊ में भेंट की। उन्होंने भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती पर नगर निगम की ओर से एक कार्य योजना देते हुए कहा कि दिल्ली रोड स्थित बड़े सरोवर पर लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित करते हुए उसके सौंदर्यीकरण करने की योजना बनाई गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से उक्त सरोवर का नाम राष्ट्रीय एकता सरोवर रखने की स्वीकृति देने तथा सरोवर के चारों ओर देश के महापुरुषों के जीवन दर्शन को दशार्ते हुए शिलालेख स्थापित कर राष्ट्रीय एकता वीथिका का निर्माण करने की मांग की है ताकि उक्त स्थल आम जनमानस के लिए प्रेरणा एवं गौरव का केंद्र बन सके।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने सरसावा एयरपोर्ट से संबंधित दो अलग-अलग पत्र देते हुए सरसावा एयरपोर्ट का नाम लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर रखने तथा सरसावा एयरपोर्ट से मुंबई, दिल्ली, सूरत, लखनऊ, अयोध्या व प्रयागराज के लिए विमान सेवाएं शुरू कराने का अनुरोध किया है। महापौर ने मुख्यमंत्री को बताया कि सहारनपुर विश्वविख्यात वुड कार्विंग उद्योग के अलावा हौजरी एवं टेक्सटाइल का बड़ा व्यवसायिक केंद्र है तथा सहारनपुर की सीमाएं उत्तराखंड, हरियाणा एवं हिमाचल से लगती हैं। अतः सरसावा एयरपोर्ट से मुंबई, दिल्ली, सूरत, लखनऊ, अयोध्या व प्रयागराज के लिए विमान सेवाएं शुरू होने से पड़ोसी प्रदेश के लोगों को भी लाभ मिल सकेगा।

उत्तर प्रदेश: शहीद सौरभ यादव का पार्थिव शरीर पहुंचा रामघाट, जौनपुर में पंचतत्व में विलीन

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेश: दिन गुरुवार को सौरभ यादव, पुत्र लालबहादुर यादव, ग्राम पोस्ट थाना सिकरारा के मूल रूप से निवासी थे। सौरभ यादव के अंदर देशभक्ति का जुनून था, जिसने सौरभ को आर्मी में भर्ती होने के लिए तैयारी में लगा दिया। 2013 में देश सेवा के जुनून ने सारी समस्याओं को दरकिनार करते हुए फौज में भर्ती करवा दिया। इसके बाद लगातार 12 वर्ष से देश की सेवा करते हुए मां-बाप के प्यार-दुलार के साथ वतन का भी प्यार-दुलार मिलता रहा।

इसी बीच सौरभ की शादी हुई। सौरभ का एक 6 वर्ष का बेटा और 5 वर्ष की बेटी है। सौरभ वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश में देश की सेवा में लगे हुए थे। 13 अप्रैल को दिन में लगभग 11 बजे फोन आता

है कि सौरभ अब हमारे बीच नहीं रहे। यह सुनते ही परिवार अस्तब्ध रह गया और परिवार में चीख-पुकार मच गई। 13 अप्रैल से आज तक पूरे क्षेत्र में दहशत मची हुई थी। आज सुबह लगभग ग्यारह बजे सौरभ का पार्थिव शरीर जब घर पहुंचा, तो वहां पर माता-पिता और पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल था।

बेटा हर्षित और बेटी हर्षिता भी "पापा-पापा" कहकर रो-रो कर बेहाल पड़े हैं। क्षेत्र के नौजवानों ने शहीद सौरभ को पूरा शहीद सैनिक सम्मान न मिलने के कारण बहुत ही आक्रोशित थे। सैनिक सम्मान न मिलने पर मिथिलेश यादव, संतोष यादव, सौरभ यादव, विनीत यादव तथा अन्य जनता की मांग पर शहीद के नाम पर शहीद पार्क, रोड तथा शहीद द्वार बनवाने का आश्वासन मिलने पर आगे की कार्रवाई शुरू हुई। मौके की स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि एक तो सरकार ने अग्निवीर योजना लाकर आधा नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया।

अगर देश की सेवा करने वाले देश के सपूतों को सम्मान नहीं मिल रहा है, तो आम लोगों का क्या होगा? इसलिए देश के शहीदों को उनका सम्मान मिलना चाहिए, नहीं तो नौजवान फौज में जाना बंद कर देंगे। एस.डी.एम. सदर मौके पर क्षेत्रीय विधायक लकी यादव, सांसद बाबू सिंह कुशवाहा, मछली शहर विधायक रागिनी सोनकर, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव के साथ पूरा क्षेत्र शहीद के पार्थिव शरीर का दर्शन कर हजारों लोग शव यात्रा में शामिल हुए। घाट पर बेटे हर्षित और पिता ने मुखाग्नि देकर नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

महाराष्ट्र: नगर निगम फुटपाथों को दुरुस्त रखे -जागरूक नागरिक महासंघ की मांग

देवेन्द्र बद्रीलाल यादव

महाराष्ट्र: पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम ने पूरे पिंपरी चिंचवड़ शहर में विशाल फुटपाथ बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। फुटपाथ पर चलना पैदल चलने वालों का पहला अधिकार है और फुटपाथों को अच्छी स्थिति में बनाए रखना नगरपालिका की जिम्मेदारी है। हालाँकि, इन फुटपाथों का उपयोग अक्सर विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जैसे पानी की पाइपलाइनें, बिजली के तार, जलनिकासी की लाइनें आदि टूट जाती हैं, लेकिन काम पूरा होने के बाद उन्हें मूल स्थिति में लाने की जिम्मेदारी पूरी नहीं की जाती।

इसलिए, नागरिक अपनी जान जोखिम में डालकर मुख्य सड़क पर चलने को मजबूर हैं। इस गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए, जागरूक नागरिक महासंघ ने

पिंपरी चिंचवड़ महानगरपालिका के नगर अभियंता मा मकरंद निकम साहब को पिंपरी चिंचवड़ शहर के सभी फुटपाथों को अच्छी स्थिति में बनाए रखने के संबंध में एक पत्र लिखा है और उन ठेकेदारों या जलापूर्ति/जल निकासी/बिजली विभागों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है जो फुटपाथों को तोड़ते हैं और उन्हें उनकी मूल स्थिति में बहाल नहीं करते हैं।

उत्तर प्रदेश: उन्नाव में तख्ती लेकर कोतवाली पहुंचे अपराधी, लिखा -'मैं अब कोई अपराध नहीं करूँगा'

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेश: उन्नाव के सफीपुर कोतवाली में उस वक्त अनोखा नजारा देखने को मिला जब कुख्यात अपराधी हाथों में तख्ती लेकर खुद थाने पहुंचे। इन तख्तियों पर लिखा था – अब कोई अपराध नहीं करूँगा।

यह कार्रवाई जनपद में एसपी दीपक भूकर के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन दस्तक' के तहत की गई, जिसका उद्देश्य अपराधियों को मुख्यधारा में वापस लाना और अपराध पर नियंत्रण पाना है।

इस मुहिम के तहत कुल 38 अपराधी सफीपुर कोतवाली पहुंचे और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। थाना प्रभारी सुब्रत नारायण तिवारी ने सभी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अब अगर दोबारा कोई अपराध करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने साफ किया कि ऑपरेशन दस्तक के अंतर्गत सभी चिन्हित अपराधियों पर निगरानी रखी जा रही है और उन्हें समाज में सुधार की राह पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यह पहल समाज में एक सकारात्मक संदेश दे रही है कि अपराध छोड़कर अपराधी भी अगर चाहें तो बेहतर जीवन जी सकते हैं।

उत्तर प्रदेश: DAV फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल बबराला ने महात्मा हंसराज जी को दी श्रद्धांजलि

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: संभल के डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला में आर्य समाज के महान शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक 'महात्मा हंसराज' जी की जयंती को 'समर्पण पर्व' के रूप में श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत 'गायत्री मंत्र' एवं 'वैदिक मंत्रों' के सामूहिक उच्चारण से हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री आनंद स्वरूप सारस्वत ने महात्मा हंसराज जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा पीपीटी के माध्यम से महात्मा जी के जीवन-दर्शन एवं सेवा कार्यों पर सारगर्भित प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने "हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा" गीत के माध्यम से आत्मपरिवर्तन की प्रेरणा दी, वहीं स्वरचित कविता के माध्यम से महात्मा हंसराज जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

प्रधानाचार्य श्री आनंद स्वरूप सारस्वत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 1886 में आरंभ हुई डी ए वी संस्था आज न केवल भारत में, अपितु विदेशों में भी 1000 से अधिक शिक्षण संस्थानों के माध्यम से 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे अपने स्वभाव में सुधार लाएं एवं कर्तव्यनिष्ठा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आज डी ए वी बबराला के अनेक छात्र देश के विभिन्न उच्च पदों पर अपनी कुशल कार्यक्षमता से देश के विकास में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस वर्ष डी ए वी के राष्ट्रीय स्तर खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले तथा 'डी ए वी ओलंपियाड' एवं 'आई सी टी ओलंपियाड' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को आगामी 26 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश में डी ए वी प्रबंधकर्त्री द्वारा आयोजित 'समर्पण पर्व' के विशेष कार्यक्रम के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर 'विद्यालय के चेयरमैन' एवं 'यारा फर्टिलाइजर इंडिया प्रा. लि.' के 'वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री एम. एस. प्रसाद' ने अपने संदेश में कहा कि "डी ए वी संस्थान केवल शिक्षा नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और समर्पण के मूल्यों का भी संवर्धन कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को महात्मा हंसराज जी के जीवन से सीख लेते हुए अपने सामाजिक सहयोग एवं आत्मविकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुंबई: भारत की पहली ऑन-ट्रेन एटीएम सेवा का सफल परीक्षण: पंचवटी एक्सप्रेस में हुआ ट्रायल

सुहैल इरफान

मुंबई: भारत में पहली बार किसी यात्री ट्रेन में एटीएम सेवा उपलब्ध कराई गई है, और इसका सफल परीक्षण 16 अप्रैल को पंचवटी एक्सप्रेस में किया गया। यह ऐतिहासिक ट्रायल मनमाड़ और मुंबई के बीच संचालित दैनिक पंचवटी एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोच में संपन्न हुआ।

सुविधा का सफल परीक्षण, कुछ तकनीकी चुनौतियों के बावजूद

रेलवे अधिकारियों ने जानकारी दी कि ट्रायल के दौरान कुछ तकनीकी समस्याएं देखने को मिलीं–विशेष रूप से इगतपुरी और कसारा के बीच सुरंगों और नेटवर्क डेड जोन में कनेक्टिविटी में बाधा आई। फिर भी, संपूर्ण परीक्षण को सफल और सुचारू रूप से संपन्न बताया गया।

भुसावल रेल मंडल और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की संयुक्त पहल

यह ऑनबोर्ड एटीएम सेवा भारतीय रेल की ह्लइंफ्रास्ट्रक्चर

इंटीग्रेशन स्कीम ([illegible])ह्व के तहत शुरू की गई है। यह परियोजना भुसावल रेल मंडल और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की साझेदारी से संभव हुई है। एटीएम को ट्रेन के वातानुकूलित कोच में स्थापित किया गया है, लेकिन इसकी सुविधा ट्रेन के सभी 22 कोचों के यात्रियों के लिए उपलब्ध है।

यात्रियों को मिल रहा आधुनिक सुविधा का लाभ

ट्रायल के दौरान कई यात्रियों ने इस पहल की सराहना की और इसे 'दैनिक यात्रा में आधुनिकता का स्वागत योग्य कदमह्व बताया। यात्रा के दौरान नकदी निकालने जैसी सुविधा को यात्रियों ने बहुत उपयोगी बताया, खासकर लंबी दूरी की यात्राओं में।

सुरक्षा के लिए सख्त इंतजाम

इस मोबाइल एटीएम को 24७७ सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षित शटर से लैस किया गया है ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। चलती ट्रेन में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना रेलवे द्वारा यात्री अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जनशताब्दी एक्सप्रेस में भी सेवा का विस्तार

यही एटीएम युक्त कोच अब मुंबई-हिंगोली जनशताब्दी एक्सप्रेस में भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे इसकी सेवा का दायरा और बढ़ गया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यदि यह पायलट परियोजना लोकप्रिय और विश्वसनीय सिद्ध होती है, तो निकट भविष्य में इसे भारत की अन्य प्रमुख ट्रेनों में भी लागू किया जा सकता है।

इस पहल से न केवल भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की झलक मिलती है, बल्कि यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं में नवाचार की दिशा में एक अहम कदम भी दिखता है।

राजस्थान: रायरा को ग्राम पंचायत बनाए जाने की मांग तेज, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पारसमल बुनकर

राजस्थान: भीलवाड़ा जिले की जगपुरा ग्राम पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों ने हतान के स्थान पर रायरा को नवीन ग्राम पंचायत बनाए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति और मौजूदा सुविधाओं के आधार पर रायरा, हतान की तुलना में अधिक उपयुक्त है।

ज्ञापन में बताया गया कि रायरा गांव की आबादी 1409 है और यह डोला का खेड़ा, गंगाराम जी का खेड़ा जैसे आसपास के गांवों से पक्की सड़कों के माध्यम से सीधे जुड़ा हुआ है। वहीं, हतान से इन गांवों का सीधा संपर्क नहीं है, जिससे ग्रामीणों को 3 से 6 किलोमीटर अधिक दूरी तय करनी पड़ती है।

रायरा में सहकारी समिति, माध्यमिक विद्यालय, अस्पताल और अन्य सरकारी सुविधाएं पहले से ही मौजूद हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में सुविधा रहेगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हतान को ग्राम पंचायत बनाया गया तो विकास की बजाय असुविधाएं बढ़ेंगी।

ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए रायरा को ही नवीन ग्राम पंचायत घोषित किया जाए, ताकि आसपास के सभी गांवों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

हरियाणा: बेजुबान प्राणी बचाओ मुहिम के तहत लगाए गए सकोरे

रितेश

हरियाणा: वीरवार को डॉ भीम राव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय डबवाली की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा बेजुबान प्राणी बचाओ मुहिम चलायी गयी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ विक्रम बंसल ने की। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे व पशु-पक्षी हमारे पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। इनके बिना हम जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। नई जीवन शैली के कारण पशु-पक्षियों के प्राकृतिक जलस्त्रोत समाप्त कर दिए गए हैं।

इसलिए हम सब का कर्तव्य

है कि हम इनके लिए पानी की व्यवस्था करें। स्वयंसेवकों ने इस मुहिम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर और इसके आसपास पक्षियों के लिए सकोरे लगाए और विद्यार्थियों को वितरित किए। एनएसएस के प्रभारी डॉ प्रदीप कस्वां ने स्वयंसेवकों से कहा कि इस पुनीत कार्य के लिए लोगों को जागृत करने व परिवार के साथ पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लें और पक्षियों की जान बचाने के लिए आगे आएं। इस अवसर पर डॉ मंजीत मालिक, डॉ सुनील जोशी, श्री संजीव कुमार व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाणा: PO स्टाफ व साइबर सेल टीम ने बेल जम्पर को किया काबू

महिपाल सिंह

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक डबवाली सिद्धान्त जैन आईपीएस के निदेर्शानुसार तथा उप पुलिस अधीक्षक डबवाली रमेश कुमार के कुशल नेतृत्व में विभिन्न मामलों में वांछित भगौड़ों/बेल जम्परों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए पी.ओ. स्टाफ व साइबर सेल की टीम ने लापरवाही से वाहन चलाकर आमजन की सुरक्षा को खतरे में डालने के मामले में एक बेल जम्पर को काबू करने में सफलता हासिल की है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी

देते हुए प्रभारी पी.ओ. स्टाफ इंस्पेक्टर नवीन मोर ने बताया कि अभियोग नं. 105/2020 धारा 279, 336, 337, 338 भा.द.स. थाना औढ़ा में आरोपी अदालत के आदेशानुसार बेल जम्पर घोषित था जिसे साइबर सेल की मदद से काबू किया गया है। आरोपी बेल जम्पर की पहचान गगनदीप सिंह पुत्र कर्मपाल उर्फ परमपाल निवासी कुंडल अबोहर पंजाब के रूप में हुई है। आरोपी को अभियोग न. 96/2023 धारा 174 ए थाना औढ़ा में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा।

सम्पादकीय

गांधी परिवार पर चार्जशीट

यहां से राजनीति नई करवट ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) मामले में जो आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है, उसमें सोनिया गांधी को पहला और राहुल गांधी को दूसरा आरोपित बनाया गया है। गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है।

भविष्य में अदालत के फैसलों के आधार पर इसमें परिवर्तन संभव है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है। संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 5000 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोप एजेएल की 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण, निजी कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए, मात्र 50 लाख रुपए में किए जाने का भी है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 4 के तहत सजा भी मांगी है। इसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। यदि 25 अप्रैल को विशेष अदालत के न्यायाधीश इस आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हैं, तो उस दिन और ट्रायल के दौरान सोनिया-राहुल गांधी को अदालत में उपस्थित रहना होगा।

बहरहाल इस मामले के तमाम ब्यौरे देश के सामने हैं। 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अदालत में याचिका दी थी। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। सवाल है कि करीब 13 साल के बाद एक आरोप-पत्र दाखिल क्यों किया गया? सघन पूछताछ के भी तीन साल गुजर चुके हैं, लिहाजा ऐसे अतिविशिष्ट मामले में जांच एजेंसियां इतनी लेट-लतीफी क्यों करती हैं? हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी की 2014 से सरकार है। तब खूब शोर मचाया जाता था कि गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। ईडी ने 15 अप्रैल को उनसे भी 6 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। वाड्रा आज भी स्वतंत्र हैं। दरअसल कुछ सवाल ईडी की जांच की विश्वसनीयता और उसकी सजा-दर पर भी किए जा सकते हैं। करीब 96 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के ही खिलाफ क्यों दर्ज किए जाते हैं? गौरतलब यह है कि अशोक चव्हाण, नारायण राणे (दोनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) सहित अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, हिमंता बिस्व सरमा, सुवेन्दु अधिकारी, नवीन जिन्दल सरीखे नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जो कभी गैर-भाजपा दलों में रहे और विभिन्न घोटालों में आरोपित हुए, लेकिन वे 'भाजपाई' हैं, लिहाजा तमाम आरोपों और जांच से मुक्त हैं।

शिक्षक और सड़क दोनों मंजिल तक पहुंचाने के कारगर सेतु

-किशन सनमुखदास भावनानी-

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति, मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व खजाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं! अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म जबूत ढाल का काम कर सकते हैं !वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज, , शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं, , इसपर कुछ बातों का को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे।

साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे।

साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के ज़िन्दगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के जरिये व्यक्ति समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने ज़िन्दगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मजबूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। ज़िन्दगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूप हाथों से एक मजबूत आकार प्रदान करता है। शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है।

शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टर, कोई इंजीनियर कोई वकील, सीए, पायलट सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है। अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे। शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म, घृणा, ईर्ष्या, हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता, सहनशीलता, धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। देश का कृषि, व्यापार व औद्योगिक विकास परिवहन के साधनों पर ही निर्भर करता हैं। परिवहन एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय हैं। आज के परिपेक्ष में बिना सड़क के मानवीय जीवन अधूरा है। इसके बिना जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, हालांकि हजारों या सैकड़ों वर्षों पहले हमारे पूर्वज उस परिस्थितियों से दो चार हुए होंगे पर अभी आधुनिक डिजिटल युग में यह संभव नहीं।

साथियों बात अगर हम सड़क निर्माण के विशाल चरणों और सड़क के महत्व की करें तो, सड़क निर्माण में कार्य के कई चरण हैं, जैसे क्षेत्र सर्वेक्षण, मिट्टी सर्वेक्षण, यातायात सर्वेक्षण, ज्यामितिक डिजाइन, संरचनीय डिजाइन, और वास्तविक निर्माण क्षेत्र। भारत में सड़कें हाथों के श्रम से, या यंत्रों से, बनाई जाती है। पहले देश में मजदूर बहुतायत से मिलते थे जिसके कारण शारीरिक श्रम का ही अधिकतर प्रयोग किया जाता है, परंतु अब सब मशीनीकरण से हो गया है। भारतीय सड़कों का जाल विश्व का सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़क परिवहन छोटी एवं मध्यम दूरी तय करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह विश्वसनीय, तेज, लचीला तया मांगपूरित तरीका है, जो घर-घर जाकर सेवाएं उपलब्ध करा सकता है। यह गांवों को बाजारों, कस्बों, प्रशासनिक व सांस्कृतिक केन्द्रों से जोड़ता है और इस प्रकार उन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करता है।

राहुल गांधी के फ्यूचर प्लान पर टिका कांग्रेस का भविष्य

-राकेश अचल-

कांग्रेस के इस अधिवेशन में जातीय जनगणना और ईवीएम से फर्जी चुनाव करने से लेकर अमरीकी टैरिफ का मुद्दा भी जेरे बहस रहा। अधिवेशन में शशि थरूर जैसे नेताओं का नाम लिए बिना पार्टी में भाजपा के स्लीपर सेलों की भी बात उठी लेकिन सवाल ये है कि तमाम मुद्दों को चिन्हित करने के बाद ऐसी क्या कार्ययोजना बनाई गयी है जो भाजपा के वेग से आगे बढ़ रहे रथ को रोक सके। भाजपा पिछले एक दशक में कांग्रेस से इतना ज्यादा आगे निकल गयी है कि उसे सत्ताच्युत करना आसान नहीं है।

आने वाले दिनों के लिए कांग्रेस का 'फ्यूचर प्लान'क्या है ये राहुल गाँधी के अलावा कोई नहीं जानता, लेकिन एक पत्रकार होने के नाते मैं इतना दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस का 'फ्यूचर ' राहुल गांधी के ' फ्यूचर प्लान ' पर ही टिका है। कांग्रेस 2014 से सत्ता से बाहर हैं। और अभी उसे 2029 तक सत्ता से बाहर ही रहना है। सत्तारूढ़ होने के लिए उसे अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर ऐसा फ्यूचर प्लान ' बनाना होगा जो उसकी सत्ता में वापसी करा सके। कांग्रेस की जैसी तैयारी अभी दिखाई देती है उसे देखकर लगता है कि कांग्रेस के लिए सत्ता अभी भी 'आकाश-कुसम' जैसी ही है।

पिछले दिनों गुजरात में हुई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक और अधिवेशन में पार्टी की भावी रणनीति पर मंथन किया गया। सबकी नजर इसी मंथन से निकलने वाले उत्पाद पर टिकी रही। इस मंथन से कांग्रेस को अमृत मिला या विष ये कहना कठिन है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में पार्टी के लगातार कमजोर होने के मुद्दे पर बैठक में मंथन हुआ। कांग्रेस वर्किंग कमेटी में यह बात भी उठी कि पार्टी बीते कल की यानि अतीत की बात कर रही है, लेकिन कांग्रेस के पास फ्यूचर एक्शन प्लान नहीं है। पार्टी के एकछत्र नेता राहुल गांधी ने इस सवाल का जवाब दे दिया। राहुल गांधी ने साफ-साफ कहा कि उनके पास 'फ्यूचर एक्शन प्लान' है।

गुजरात के अहमदाबाद में 8 और 9 अप्रैल को सम्पन्न कांग्रेस के अधिवेशन का मकसद संगठन को मजबूत करना और देश के प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करना था। अधिवेशन के बाद छनकर बाहर आयी खबरों के मुताबिक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं से अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) और महिलाओं का फिर से समर्थन हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। सूत्रों ने बताया कि राहुल ने कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में इस बात पर जोर दिया कि पार्टी के पास अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का समर्थन है, लेकिन ओबीसी वर्गों तथा अन्य कमजोर तबकों का समर्थन भी हासिल करने की जरूरत है। राहुल ने कहा कि महिलाओं का भी समर्थन हासिल करना होगा जो देश की आबादी का करीब 50 फीसदी हैं।

कांग्रेस के इस अधिवेशन में जातीय जनगणना और ईवीएम से फर्जी चुनाव करने से लेकर अमरीकी टैरिफ का मुद्दा भी जेरे बहस रहा। अधिवेशन में शशि थरूर जैसे नेताओं का नाम लिए बिना पार्टी में भाजपा के स्लीपर सेलों की भी बात उठी लेकिन सवाल ये है कि तमाम मुद्दों को चिन्हित करने के बाद ऐसी क्या कार्ययोजना बनाई गयी है जो भाजपा के वेग से आगे बढ़ रहे रथ को रोक सके। भाजपा पिछले एक दशक में कांग्रेस से इतना ज्यादा आगे निकल गयी है कि उसे सत्ताच्युत करना आसान नहीं है। देश जानना चाहता है कि कांग्रेस भाजपा का मुकाबला आखिर किस तरह करने जा रही है।

इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि तीव्र गति से आगे बढ़ती भाजपा को केवल और केवल कांग्रेस ही रोक सकती है, लेकिन वो भी अकेले नही। भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे ही आगे बढ़ना होगा, लेकिन क्या कांग्रेस आने वाले दिनों में भाजपा के सहयोगियों को उससे दूर कर सकती है? शायद नहीं, क्योंकि हाल ही में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर तमाम लानत-मलानत के बावजूद टीडीपी और जेडीयू ने भाजपा का साथ नहीं छोड़ा है। कांग्रेस ने 2024 के आम चुनाव में अपने सहयोगी दलों के साथ भाजपा की बढ़त को कम किया, भाजपा को स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं करने दिया, किन्तु कांग्रेस भाजपा को सत्ता से अलग नहीं कर पायी।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती पार्टी कार्यकताओं को हताश होने से बचाने की है। कांग्रेस का हताश कार्यकर्ता भाजपा के कार्यकताओं और आरएसएस के स्वयं सेवकों का मुकाबला नहीं कर सकता। एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद भाजपा के कार्यकर्ता और संघ के स्वयंसेवक आर्थिक रूप से भी सम्पन्न हुए हैं। भाजपा और संघ ने इसी एक दशक में पूरे देश में संघ और भाजपा के पांच सितारा कार्यालयों की श्रृंखला खड़ी कर ली है। इलेक्टोरल बांड का अकूत पैसा भी भाजपा के पास है। ऐसे में एक मात्र रास्ता ये बचता है कि कांग्रेस एक नई आक्रमकता के साथ चुनाव मैदान में उतरे।

कांग्रेस के अधिवेशन में अच्छी बात ये रही कि स्लीपर सेल समझे जाने वाले नेताओं को भी बोलने दिया गय। असंतुष्ट नेताओं का प्रतिनिधित्व शशि थरूर जैसे नेताओं ने किया। अब कांग्रेस में ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे नेताओं की संख्या पहले के मुकाबले कुछ कम हुई है। कांग्रेस अब राहुल गाँधी के नियंत्रण वाली कांग्रेस है। कांग्रेस को परिवारवाद से मुक्त करना -कराना एक अलग मुद्दा है जो शायद इस अधिवेशन में बहस के लिए नहीं आया। आ भी नहीं सकता था। यही परिवारवाद कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी है और सबसे बड़ी ताकत भी। कांग्रेस के लिए ये अंतिम अवसर है, 2029 के बाद कांग्रेस मुमकिन है कि किसी कालपात्र में पड़ी दिखाई दे, वामपंथी दलों की तरह या समाजवादी दलों की तरह। राहुल गाँधी जिस दिन अपना फ्यूचर प्लान सार्वजनिक करेंगे उस दिन हम भी बता सकेंगे कि कांग्रेस का फ्यूचर क्या है? कांग्रेस ने टाइगर मोदी जी की मांद में घुसकर उन्हें चुनौती दी है, देखिए आगे-आगे होता है क्या?

भाजपा के पोस्टरों के पोस्टर बॉय हैं दिग्विजय

-राकेश अचल-

कोई माने या न माने लेकिन मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भाजपा के लिए आज भी हौवा बने हुए हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक का राज्यसभा में विरोध करने पर कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह को ह्यह्यगद्दारह्लह्ल बताने वाले पोस्टर प्रदेश के अनेक शहरों में लगे हुए हैं लेकिन इससे न दिग्विजय सिंह विचलित हैं और न उन्होंने अपना रुख बदला है, उलटे वे भाजपा पर और आक्रामक हो उठे हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए भाजपा की जन्मकुंडली खोलना शुरू कर दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 78 साल के हो गए हैं और पिछले 54 साल से कांग्रेस के साथ काम कर रहे है। उनके साथ और बाद में आये तमाम राजे-महाराजे और खुद उनके भाई इस बीच कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए लेकिन दिग्विजय सिंह आज भी राजनीति की क्रीज पर हैं क्रीज पर हैं। 2003 में कांग्रस के सत्ताच्युत होने के बाद उन्होंने पूरे एक दशक तक कोई चुनाव नहीं लड़ा लेकिन 2018 में प्रदेश की सत्ता में कांग्रेस की वापसी के बाद वे एक बार फिर कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हो गये। दिग्विजय सिंह ने पार्टी के महासचिव के रूप मेंही नहीं बल्कि राज्य सभा सदस्य के रूप में अपनी उपस्थिति से भाजपा को परेशान करके रखा।

वक्फ बोर्ड कानून के मुद्दे पर खुद को गद्दार बताने पर दिग्विजय सिंह ने भाजपाइयों को ही गद्दार कह दिया। उन्होंने दावा किया कि गद्दार तो वे भाजपा

कार्यकर्ता हैं जिन्होंने आईएसआई एजेंट के रूप में काम किया है। दिग्विजय सिंह ने याद दिलाया कि आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों से 2017 में जासूसी गिरोह का हिस्सा होने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया था। दिग्विजय सिंह पहले भी आरएसएस को लेकर अदालतों का सामना कर चुके हैं। अदालतों ने दिग्विजय को बरी कर दिया, लेकिन वे आज भी अपने सुर बदलने को तैयार नहीं हैं। दिग्विजय के जितने विरोधी भाजपा में हैं उतने ही कांग्रेस में भी हैं किन्तु वे ऐसे अकेले कांग्रेसी नेता हैं जो आरोपों-प्रत्यारोपों से विचलित नहीं होते उलटे उनका सामना करते है। पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भर्ती ने दिग्विजय सिंह को मिस्टर बंटाधार कहा लेकिन वे मुस्कराते रहे। कांग्रेस में उनके ही विरोधियों ने उन्हेंभाजपा का एजेंट कहा लेकिन वे पीछे नहीं हटे।

आपको बता दें की वक्फ बोर्ड के नए कानून का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह अकेले नेता नहीं है लेकिन उनका विरोध भाजपा को सबसे ज्यादा खटकता है। इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून पर सुनवाई से पहले सात राज्यों की सरकारें सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं. महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों ने आवेदन दाखिल कर नए कानून का समर्थन किया है. इन राज्यों ने कहा है कि नया कानून पारदर्शी, न्यायपूर्ण और व्यवहारिक है. कानून के खिलाफ दाखिल याचिकाओं का विरोध करते हुए इन सभी राज्यों ने अपना पक्ष भी सुने जाने की मांग कोर्ट से की है। इस नए कानून के विरोध में बंगाल सहित देश के अनेक राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन निशाने पर दिग्विजय सिंह ही सबसे ज्यादा हैं।

दिग्विजय सिंह की वजह से ही कांग्रेस 2018 में प्रदेश की सत्ता में वापस आयी थी और उन्हीं की वजह से 19 महीने बाद सत्ताच्युत भी हो गयी। ऐसा कहा और माना जाता है कि दिग्विजय सिंह की वजह से ही ज्योतिरादित्य सिंदिया ने कांग्रेस का तख्ता पलट किया और भाजपा से जा मिले। राज्य सभा की इकलौती सीट इसकी वजह थी, लेकिन दिग्विजय सिंह को पार्टी की सरकार जाने का कोई अफसोस शायद नहीं है। वे आज भी ज्योतिरादित्य सिंधिया को निशाने पर रखते हैं। यानी दिग्विजय सिंह का स्वभाव खामोश रहने का नहीं है। इस समय भी कांग्रेस के अध्यक्ष भले ही जीतू पटवारी हैं लेकिन चर्चा में दिग्विजय सिंह ही हैं। दिग्विजय के हमउम्र पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी उस तीव्रता के साथ भाजपा और संघ से जड्डु नहीं ले पाते जिअसे की दिग्विजय ले पाते हैं।

अपने आपको गद्दार बताये जाने पर दिग्विजय संघ प्रतिप्रश्न करते हैं कि - 'पाकिस्तान से अलग-अलग खातों में धन जुटाना, 'वॉयस ओवर' के जरिए पाकिस्तानियों से बात करना। आप उन्हें क्या कहेंगे? गद्दार? जय सिया राम? दिग्विजय का समाना करने की हिम्मत कम ही भाजपाई जुटा पाते है। मप्र के एक मंत्री विश्वास सारंग ने जरूर कहा कि कांग्रेस नेता ने 'भगवा आतंकवाद' शब्द गढ़ा था जो सनातन धर्म को बदनाम करता है। सारंग ने दिग्विजय सिंह के बारे में कहा, की 'उन्होंने (दिग्विजय सिंह) ने आतंकवादीअफजल को अफजल गुरु कहा, हाफिज सईद का महिमामंडन करने के लिए उसके लिए जी का इस्तेमाल किया, जाकिर नाइक जैसे विघटनकारी व्यक्तियों के सम्मान में मंच साझा किया, हमारी सेना और सैनिकों का अपमान करने के लिए बटला हाउस मुठभेड़, हवाई हमले और सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए। वह हमेशा देश को तोड़ने के लिए बयान देते हैं। उन्होंने हमेशा बिना तथ्यों के आरोप लगाए। 'उन्होंने दावा किया कि दिग्विजय सिंह को निशाना बनाने वाले पोस्टर जनता ने लगाए हैं, भाजपा ने नहीं। दिग्विजय सिंह भाजपा के लिए कब तक पोस्टर बॉय बने रहेंगे कहना कठिन है। लेकिन जब भी भाजपा के बनाये पोस्टर फटते हैं उनमें से दिग्विजय ही हीरो बनकर बाहर निकलते दिखाई देते हैं।

कमजोर मोदी का मजबूत निर्णय

-राकेश कुमार आर्य-

सचमुच 02 अप्रैल 2025 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखे जाने योग्य है। क्योंकि इस दिन देश की संसद ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को पारित कर दिया है। ध्यान रहे कि इस विध्वंसकारी और देश विरोधी कानून को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1954 में देश की संसद से पारित करवाया था। नेहरू जी ने इस बात पर तनिक भी विचार नहीं किया था कि सांप्रदायिक आधार पर देश का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग की नीतियों और विचारों को अब देशहित स्वीकार नहीं किया जा सकता?

उसके बाद 1995 में इस कानून को और भी अधिक मजबूत बनाकर देश विरोधी लोगों को नई ऊर्जा प्रदान की गई। देश के संविधान की मूल भावना के विपरीत जाकर एक वर्ग विशेष या संप्रदाय विशेष को उसकी धार्मिक मान्यताओं को बलवती करने के लिए प्रोत्साहित करना पूर्णतया असंवैधानिक कृत्य था। परंतु कानून बनाकर इसे संवैधानिक घोषित कर दिया गया। इस विषय में प्रारंभ में नेहरू जी ने अंग्रेजों की नीति का अनुकरण किया। जी हां, उन्हीं अंग्रेजों की नीतियों का जिन्होंने मुगल काल में अनैतिक ढंग से काटी जाती रही गायों की हिंदुओं के द्वारा जब आलोचना होते हुए देखी तो 1707 में इस संबंध में एक विशेष कानून लाकर देश में गायों का कत्लगाह बनाने का कानून पारित किया। जिसमें प्रतिदिन 32 से 35000 गाएं काटी जाती थीं, इस प्रकार उन्होंने एक अनैतिक कार्य को वैधानिक बना दिया। नेहरू जी ने भी मुस्लिमों की सांप्रदायिक मान्यताओं के आधार पर उनके द्वारा दूसरों की जमीन पर जबरन कब्जा करने के अधिकार प्रदान कर पूर्णतया अनैतिक परंतु वैधानिक कदम उठाकर देश विरोधी शक्तियों को मजबूत करने का काम किया। अनैतिक कार्य को वैधानिक बनाकर राष्ट्र निमार्ता बनना कोई नेहरू जी से सीख सकता है।

इस देश विरोधी कानून में 2013 में संशोधन किया गया, जिससे वक्फ बोर्डों को मुस्लिम दान के नाम पर संपत्तियों का दावा करने के लिए असीमित अधिकार प्रदान किए गए। संशोधनों ने वक्फ संपत्तियों की बिक्री को असंभव बना दिया।

कातिल को ही मुंसिफ बना दिया गया। जिसके चलते यह बोर्ड रेलवे के बाद सबसे अधिक संपत्ति रखने वाला बोर्ड बन गया। जिस प्रकार इसकी शक्ति में दिन प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही थी, उसके चलते किसी को भी इसकी ओर आंख उठा कर देखने का साहस नहीं हो रहा था। मुस्लिम समाज के भी अनेक लोग इस देश विरोधी कानून की चपेट में आए और उन्हें अपनी संपत्ति से ना चाहते हुए भी हाथ धोना पड़ा। यही कारण है कि इस कानून में संशोधन के समर्थन में अनेक प्रगतिशील मुस्लिम भी मोदी सरकार के साथ खड़े हुए दिखाई दिए हैं। मुस्लिम समाज के अनेक बुद्धिजीवी इस कानून में संशोधन की मांग करते आ रहे थे, जिस पर मोदी सरकार ने काम करने का निर्णय लिया। सरकार ने निर्णय लिया कि इस कानून के उन सभी प्रावधानों को संशोधित किया जाए, जिनसे समाज विरोधी और देश विरोधी शक्तियों को बल प्राप्त होता है। इस प्रकार इस नए संशोधन अधिनियम का उद्देश्य वर्तमान वक्फ अधिनियम के देश विरोधी खण्डों को रद्द करना रहा है, जिससे कि इस बोर्ड के अधिकारों को सीमित किया जा सके। ज्ञात रहे कि वर्तमान में बोर्ड को अनिवार्य सत्यापन के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में घोषित करने की अनुमति इस प्रचलित कानून के माध्यम से रही है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सी0ए0ए0 जैसे कानून का विरोध करने वाला सेकुलर गैंग इस नए संशोधन बिल का भी विरोध करता हुआ दिखाई दिया। यद्यपि संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विपक्ष के द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर भली प्रकार विचार किया गया और यथासंभव उन्हें स्वीकार भी किया गया, किंतु इसके उपरांत भी वोटो की राजनीति सेकुलर विपक्ष पर हावी रही। जिसके चलते देश के सभी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों ने इस विधेयक का भरपूर विरोध किया।

भारत के हिंदू समाज की अनेक परंपराओं को अवैज्ञानिक और सृष्टि नियमों के विरुद्ध घोषित कर उन्हें पानी पी पीकर कोसने वाले धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों के किसी भी नेता ने कभी यह कहने का साहस नहीं किया कि वक्फ बोर्ड को किसी मुस्लिम द्वारा दान की जाने वाली संपत्ति अल्लाह की कैसे हो जाती है? देश के दूसरे सबसे बड़े संप्रदाय को अवैज्ञानिक और अंधविश्वासों से भरी परंपराओं में जीने और उसी परिवेश में घुट घुटकर मरने के लिए धर्मनिरपेक्ष राजनीति ने भरपूर प्रयास किया।

यह बात भी ध्यान देने वाली है कि यह बोर्ड भारत में 9. 4 लाख एकड़ में फैली अपनी 8.7 लाख संपत्तियों का नियंत्रण करता है। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1.2 लाख करोड रुपए आंकी गई है। अब नए कानून के अनुसार वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियों के लिए सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य कर दिया गया है। देश का संविधान अथवा कानून कहता है कि आप किसी की भी संपत्ति को अपनी संपत्ति घोषित नहीं कर सकते हैं। यदि इस कार्य को कोई व्यक्ति नहीं कर सकता तो कोई बोर्ड इसे किस आधार पर कर सकता है? इसी प्रकार कोई संप्रदाय भी ऐसा क्यों कर सकता है अथवा उसे ऐसा करने की छूट क्यों दी जाए? ये ऐसे प्रश्न हैं जो संवैधानिक भी हैं, नैतिक भी हैं, सामाजिक भी हैं और देश हित में उठाए जाने योग्य भी हैं। यदि एक बार यह कहा जाए कि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है, जिसमें किसी भी संप्रदाय का पक्ष पोषण नहीं किया जा सकता तो भी वक्फ बोर्ड का गठन अपने आप में असंवैधानिक ही माना जाएगा। कानून बनाकर उसे दिए गए असीमित अधिकार तो मानो तानाशाही प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का स्पष्ट प्रमाण ही है।

इस नये एक्ट के माध्यम से धारा 9 और 14 में संशोधन किया गया है, जिसके द्वारा महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व को बहुत ही जिम्मेदारी के साथ सम्मिलित किया गया है। प्रत्येक प्रकार के विवाद से निपटने के लिए वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों का नया सत्यापन अनिवार्य किया गया है। इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए जिले के जिलाधीश वक्फ संपत्तियों की निगरानी में सम्मिलित हो सकते हैं।

सरकार की ओर से अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने चर्चा में भाग लेते हुए मजबूती से अपना पक्ष रखा है। केंद्रीय गृहमंत्री और प्रधानमंत्री ने अपना पूरा होमवर्क पूरी सावधानी के साथ संपन्न किया। यही कारण रहा कि एनडीए के जो सदस्य दल प्रारंभ में कुछ अलग भाषा बोलते हुए दिखाई दे रहे थे, वह सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए और यह विधेयक पारित हो गया। वोटों की राजनीति करते हुए विपक्ष ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यद्यपि उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं था, जिसे विशेष कहा जा सके। वही घिसी पिटी चर्चा और आलोचना विपक्ष की ओर से बोलने वाले लगभग प्रत्येक वक्ता ने दिखाई। अब सोशल मीडिया पर कई ऐसे कथित हिंदूवादी मुखर हो गए हैं जो यह कहकर केंद्र की मोदी सरकार की आलोचना कर रहे हैं कि यह विधेयक जब एक कानून के रूप में परिवर्तित हो रहा है तो इसे मजबूत कानून नहीं कहा जा सकता। ऐसा कानून लाकर केंद्र की मोदी सरकार अपनी कमजोरी ही दिखा रही है? ऐसे लोगों से यह प्रति प्रश्न किया जा सकता है कि क्या आपने एक मजबूत मोदी को इस बार संसद में भेजा है? यदि नहीं तो अभी एक मजबूत कानून की निर्मिती के लिए थोड़ा धैर्य रखते हुए प्रतीक्षा कीजिए। अपने आप को सुधारिए, अपने आप को मजबूत कीजिए, फिर मजबूत और सुधरे हुए कानून की अपेक्षा कीजिए। फिलहाल इस बात पर संतोष कीजिए कि एक कमजोर मोदी भी इस समय मजबूत निर्णय लेने का साहस दिखा रहा है।

एक नजर

समय पर बुकिंग और भुगतान नहीं करने के चलते 67 हजार जायरीन नहीं कर पाएंगे हज?

इस्लामाबाद। समय पर बुकिंग और भुगतान नहीं करने के चलते 67 हजार जायरीन इस साल हज के लिए सऊदी अरब नहीं जा पाएंगे। इन आवेदनों को अस्वीकार करने का मुख्य कारण सऊदी प्राधिकारियों को समय पर बुकिंग और भुगतान न करना था। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब ने इस वर्ष पाकिस्तान के लिए 1,79,210 तीर्थयात्रियों का कोटा आवंटित किया था, जिसमें सरकारी और निजी टूर आयोजकों के लिए 89,605 संख्या तय की गई। हालांकि प्राइवेट स्कीम के तहत केवल 14,000 आवेदन ही स्वीकार किए गए। प्रधानमंत्री शरीफ ने निजी हज कोटे में कटौती की तत्काल जांच के निर्देश दिए, जिसकी वजह से हजारों पाकिस्तानी तीर्थयात्री 2025 में हज यात्रा पर नहीं जा पाएंगे। जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री ने निजी हज कोटा हासिल करने में नाकामी के जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। कैबिनेट प्रभाग के सचिव की अध्यक्षता वाली समिति में संघीय राजस्व बोर्ड (एफबीआर) के अध्यक्ष और गिलगित-बाल्टिस्तान के संघीय सचिव शामिल हैं। समिति को तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। रिपोर्ट में निजी हज कोटा प्राप्त करने में सरकार की नाकामी के पीछे के कारणों का विवरण दिया जाएगा और इस चूक के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी। हज आयोजकों ने दावा किया कि उन्होंने 67,000 तीर्थयात्रियों के लिए बुकिंग की थी और इसके लिए सऊदी अरब को 7 मिलियन सऊदी रियाल भेजे थे। हालांकि, समझौतों और भुगतानों को अंतिम रूप देने में देरी के कारण सऊदी प्राधिकारियों ने उनके आवेदन खारिज कर दिए, जिससे हजारों लोगों को हज करने का मौका नहीं मिल सका। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सरकार के विशेष अनुरोध पर सऊदी अरब ने अतिरिक्त 10,000 कोटे को मंजूरी दी। हालांकि यह अभी भी सभी आवेदकों को शामिल करने के लिए अपर्याप्त है, जिसके परिणामस्वरूप 67,000 पाकिस्तानी तीर्थयात्री इससे बाहर हो गए। हज आयोजकों ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से इस मामले में हस्तक्षेप करने और समस्या को सुलझाने में मदद करने की अपील की है।

हिंदूफोबिया को घृणा अपराधों की सूची में जोड़े जाने का नागरिक अधिकार संगठन ने स्वागत किया

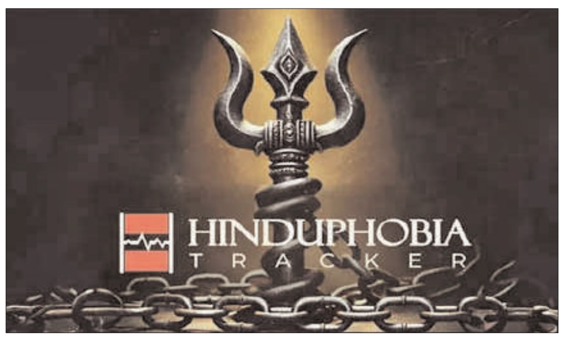

न्यूयॉर्क। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य की सीनेट में हिंदूफोबिया को घृणा अपराधों की सूची में शामिल करने संबंधी विधेयक पेश किए जाने का एक नागरिक अधिकार संगठन ने स्वागत किया है। अमेरिका में यह पहली बार है जब किसी राज्य की सीनेट में वैधानिक स्तर पर इस तरह का कदम उठाया गया है। द कोअलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका (सीओएचएनए) ने एक बयान में कहा कि वह जॉर्जिया राज्य की सीनेट में विधेयक 375 पेश किए जाने का गर्व से स्वागत करता है। इसने कहा, यह राज्य की दंड संहिता में हिंदूफोबिया और हिंदू विरोधी घृणा को औपचारिक रूप से मान्यता देने का ऐतिहासिक कदम है। संगठन ने इसे ऐतिहासिक कानून कानून करार दिया। सीओएचएनए के सह-संस्थापक और उपाध्यक्ष राजीव मेनन ने बयान में कहा, यह जॉर्जिया और पूरे अमेरिका में हिंदू समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा, यह विधेयक न केवल हिंदू विरोधी नफरत की बढ़ती घटनाओं का जवाब है, बल्कि यह इस बात की पुष्टि भी है कि हमारा समुदाय कानून के तहत समान संरक्षण और समान सुरक्षा का हकदार है।

भारतीय पर्यटकों को नेपाल में प्रवेश पर नहीं हो कोई दिक्कत : बद्री प्रसाद पांडे

काठमांडू। नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री प्रसाद पांडे ने कहा कि भारतीय पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सीमा पर स्थित प्रवेश द्वारों पर भारतीय पर्यटकों को कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए एकीकृत प्रणाली के मुताबिक सुरक्षा जांच करने, गाड़ियों का शुल्क लेने और अन्य सभी जरूरी प्रक्रिया पूरा करने का कहा गया है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि तीन स्तर की सुरक्षा जांच की व्यवस्था को खत्म करते हुए एक ही बार में सुरक्षा, गाड़ी के पास की व्यवस्था और टैक्स लेने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश नेपाल के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा और कस्टम ऑफिस को भेज दिए गए हैं। नेपाल सरकार की तरफ से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी भारतीय पर्यटक के नेपाल आगमन पर उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही सभी प्रदेश सरकारों और स्थानीय निकाय को भी यह निर्देश दिया गया है कि वह भारतीय पर्यटकों से स्थान स्थान पर लिए जाने वाले टैक्स की वसूली को बंद करें। नेपाल के गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय तथा पर्यटन मंत्रालय ने सोमवार को नेपाली नव वर्ष के अवसर पर संयुक्त रूप से एक दिशा निर्देश जारी करते हुए सभी सीमावर्ती क्षेत्रों को साफ निर्देश दिए हैं। कहा है कि सड़क मार्ग से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय पर्यटकों को बिना किसी परेशानी के नेपाल में आने की सुविधा प्रदान की जाए। गौरतलब है कि नेपाल के कुल पर्यटकों में 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय पर्यटकों की संख्या होती है। नेपाल आने वाले कुल भारतीय पर्यटकों में से करीब 80 प्रतिशत पर्यटक सड़क मार्ग से नेपाल घूमने आते हैं। इस समय भारतीय पर्यटकों के नेपाल आगमन पर तीन स्तर की सुरक्षा जांच तथा तीन स्तर का ही टैक्स लिया जाता है, जिससे भारतीय पर्यटकों को परेशानी तो होती ही है साथ ही उनकी संख्या में भी कमी आने लगी है।

भारत-सिंगापुर संबंधों में एनयूएस महत्वपूर्ण हितधारक: भारतीय राजदूत

सिंगापुर। सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने सोमवार को डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की जयंती पर आयोजित समारोह के दौरान कहा कि नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) भारत-सिंगापुर संबंधों में एक महत्वपूर्ण हितधारक है और द्विपक्षीय संबंधों में आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में भारत के लिए एक मूल्यवान साझेदार है। एनयूएस के छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए राजदूत ने कहा, भारत-सिंगापुर संबंधों में एनयूएस एक महत्वपूर्ण हितधारक है और द्विपक्षीय संबंधों में आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में हमारे लिए एक मूल्यवान भागीदार है। हमें खुशी है कि इस आयोजन के लिए एनयूएस के साथ काम करने का अवसर मिला। डॉ. अंबुले ने कहा कि साझा इतिहास, विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित मित्रता की लंबी परंपरा और कई क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के साथ भारत-सिंगापुर सहयोग पिछले कुछ वर्षों में प्रगाढ़ हुआ है और सहयोग का दायरा विविध क्षेत्रों में बढ़ा है। सिंगापुर में भारतीय उच्चायोग ने एनयूएस के सहयोग से सोमवार को आंबेडकर की जयंती मनाई।

राजदूत ने कहा, भारतीय संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाना एक महत्वपूर्ण अवसर है। जब भारत स्वतंत्र हुआ तो दुनिया भारत के भविष्य पर संदेह करने वालों से भरी थी। उन्होंने छात्रों से कहा, भारतीय संविधान द्वारा प्रदान की गई शासन व्यवस्था ने हमें ऐसे आलोचकों को चुनौती देने और उन्हें हराने में मदद की है। आज, हम अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, अपनी ताकत को लेकर आश्वस्त हैं और अपने भविष्य के प्रति आशावादी हैं, जिसका श्रेय हमारे संविधान द्वारा रखी गई ठोस नींव को जाता है।

उच्चायुक्त ने छात्रों से कार्यक्रम में प्रदर्शित प्रदर्शनी को देखने का आह्वान किया। एनयूएस के विधि संकाय के डॉ. सबरीश सुरेश ने भारतीय संविधान के प्रारूप तैयार करने में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के योगदान और अन्य संविधानों पर इसके प्रभाव पर बात की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सिंगापुर के संविधान में निहित मौलिक स्वतंत्रताएं भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के समान हैं। डॉ. सुरेश ने बताया कि सिंगापुर के संविधान ने इन मौलिक स्वतंत्रताओं को मलेशिया के संघीय संविधान से लिया है और मलेशिया के संविधान में मौलिक स्वतंत्रता का प्रावधान भारतीय संविधान से प्रेरित है। सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की डॉ. प्रिया जरादी ने कलाकृति और कलाकृति के रूप में भारतीय संविधान पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने दस्तावेज में कलाकृतियों के बारे में विस्तार से बताया।

अंतरिक्ष से लौटीं अमीर महिलाओं ने बताया कैसी दिख रही थी धरती

वाशिंगटन। अंतरिक्ष में घूमकर लौटीं दुनिया की सबसे अमीर घरों की महिलाएं अपने अनुभव को बताते हुए काफी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उनको लगा कि दुनिया बहुत शांत और सुंदर है। इन्होंने एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में सुरक्षित लैंडिंग की पुष्टि करते हुए, अंतरिक्ष पर्यटन कंपनी ने लिखा कि 'कैप्सूल लैंडिंग। स्वागत है, एनएस-31 क्रू!' इस दौरान वे सभी धरती से 100 किलोमीटर (60 मील) की ऊंचाई पर गईं और कार्मन लाइन पार करके भारहीनता को महसूस किया। अमेजन के अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस टूरिज्म कंपनी ब्लू ओरिजिन ने सोमवार को वैश्विक पॉप आइकन कैटी पेरी की अगुवाई में एक महिला सेलिब्रिटी क्रू को सफलतापूर्वक लॉन्च किया और वापस उतारा। जिससे उन्हें लगभग 11 मिनट की यात्रा के लिए अंतरिक्ष में भेजा गया। न्यू शेपर्ड रॉकेट पर उड़ान भरने वाले छह लोगों के दल में पेरी और बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज के साथ चार अन्य महिलाएं शामिल थीं। इस यात्रा में शामिल अन्य क्रू सदस्यों में नागरिक अधिकार कार्यकर्ता अमांडा गुयेन, निर्माता केरियन फ्लिन, नासा की पूर्व रॉकेट वैज्ञानिक आइशा बोवे और पत्रकार गेल किंग शामिल थीं। यह ब्लू ओरिजिन की 11वीं मानव अंतरिक्ष उड़ान है। ये 1963 में वैलेंटिना टेरेश्कोवा की एकल उड़ान के बाद पहला महिला अंतरिक्ष मिशन है। इस मिशन ने पेरी को अभिनेता विलियम शैटनर सहित हाई-प्रोफाइल ब्लू ओरिजिन यात्रियों की सूची में शामिल कर दिया है। उड़ान से पहले, पेरी ने बताया कि कैसे वह कार्ल सागन की कृतियों को पढ़कर और खगोल भौतिकी में गोता लगाकर मानसिक रूप से तैयारी कर रही थीं। उन्होंने कहा कि 'मुझे हमेशा से सितारों में दिलचस्पी रही है। हम सभी सितारों की धूल से बने हैं।' उन्होंने कहा कि 'यह मिशन अंतरिक्ष यात्रा से कहीं अधिक है-यह सीमाओं को तोड़ने और युवा लड़कियों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करने के बारे में है।

न्यूयॉर्क में 14 अप्रैल का दिन आंबेडकर दिवस घोषित किया गया

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने 14 अप्रैल के दिन को न्यूयॉर्क शहर में डॉ बी आर आंबेडकर दिवस के रूप में घोषित किया है। मेयर कार्यालय के एक शीर्ष अधिकारी ने यहां यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क सिटी मेयर कार्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपायुक्त दिलीप चौहान ने यहां सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. रामदास अठावले की उपस्थिति में यह घोषणा की। अठावले ने सोमवार को डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य भाषण दिया।

अठावले ने %एक्स% पर फोटो और वीडियो के साथ पोस्ट किया, %%न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में ऐतिहासिक क्षण, जब डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती को न्यूयॉर्क सिटी मेयर कार्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से डॉ बी आर आंबेडकर दिवस के रूप में घोषित किया गया। बाबासाहेब की न्याय और समानता की वैश्विक विरासत का सम्मान करने के लिए मेयर न्यूयॉर्क सिटी और उपायुक्त दिलीप चौहान को मेरा हार्दिक धन्यवाद। चौहान ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर के आदर्श सीमाओं और समय से परे हैं। फाउंडेशन फॉर ह्यूमन होराइजन के अध्यक्ष दिलीप म्हसके और हार्वर्ड डिविनिटी स्कूल के विजिटंग प्रोफेसर संतोष राऊत ने भी डॉ. आंबेडकर के विचारों की वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह समानता और नागरिक अधिकारों के लिए विश्व के सबसे परिवर्तनकारी समर्थकों में से एक के प्रति गहरी मान्यता है, जिसके चलते 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर दिवस के रूप में घोषित किया गया है। इससे पूर्व भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अठावले ने कहा, डॉ. आंबेडकर का जीवन केवल भारत के लिए नहीं, संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने जाति, गरीबी और औपनिवेशिक उत्पीड़न की सीमाओं को पार करते हुए वैश्विक मानवाधिकार आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। संयुक्त राष्ट्र में कार्यक्रम से पहले अठावले ने कोलंबिया विश्वविद्यालय की लेहमैन लाइब्रेरी में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिसके बारे में उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इसे ज्ञान के प्रतीक के रूप में स्थापित किया गया है।

अमेरिकी हवाई हमलों के एक महीने में यमन में 123 नागरिकों की मौत, हूती नियंत्रित स्वास्थ्य विभाग ने दी जानकारी

सना, एजेंसी। हूती नियंत्रण वाले स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मार्च के मध्य से यमन में अमेरिकी सेना ने फिर से हवाई हमले शुरू किए हैं। इन हमलों में अब तक 123 आम लोगों की मौत हो चुकी है और 247 लोग घायल हुए हैं। घायलों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह बयान रविवार देर रात तब जारी किया गया, जब यमन की राजधानी सना के पश्चिमी इलाके में एक सिरेमिक फैक्ट्री पर अमेरिकी हवाई हमला हुआ। इस हमले में 7 लोगों की मौत हो गई और 29 लोग घायल हो गए। 9 अप्रैल को स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया था कि ताजा अमेरिकी हवाई हमलों में 107 लोगों की जान गई है और 223 लोग घायल हुए हैं।

हूती समूह आम तौर पर अपने लड़ाकों की मौत की जानकारी नहीं देता। हालांकि, अमेरिकी सेना का कहना है कि इन हमलों में कई हूती नेता मारे गए हैं, लेकिन हूती समूह ने इस दावे को गलत बताया है। यह जानकारी सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने दी है। रविवार को हूती समूह ने कहा कि उन्होंने एक और अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराया है। नवंबर 2023 से अब तक यह 19वां ड्रोन है जिसे उन्होंने गिराया है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने हूती के अल-मसीरा टीवी पर कहा कि यमन के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हज्जाह प्रांत के हवाई क्षेत्र में दुश्मन के खिलाफ कार्रवाई करते समय अमेरिका का एक एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराया गया। सारेया ने बताया कि ड्रोन को एक स्थानीय स्तर पर निर्मित हुई सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल से गिराया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के लगातार हमलों से हूती समूह की सैन्य ताकत पर कोई असर नहीं पड़ा है। बयान में कहा गया कि हूती समूह फिलिस्तीनी लोगों का समर्थन करता है और उसकी गतिविधियां तब तक चलती रहेंगी जब तक गाजा पर इजरायली हमला खत्म नहीं होता और घेराबंदी हटा नहीं ली जाती। अमेरिका ने 15 मार्च को हूती लड़ाकों के खिलाफ फिर से हवाई हमले शुरू कर दिए। अमेरिका का कहना है कि इन हमलों का मकसद हूती समूह को लाल सागर में इजरायली और अमेरिकी जहाजों पर हमले करने से रोकना है। उत्तरी यमन के विशाल क्षेत्रों पर नियंत्रण रखने वाले हूती गाजा पट्टी में इजरायली बमबारी के तहत फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए नवंबर 2023 से इजरायली ठिकानों पर हमला कर रहे हैं।

नासा ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश के बाद भारतीय मूल की डीईआई प्रमुख नीला राजेंद्र को किया बर्खास्त

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की नीला राजेंद्र, जो नासा में विविधता, समानता और समावेश (डीईआई) के कामों की प्रमुख थीं, को उनके पद से हटा दिया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के तहत उठाया गया है, जिसमें सभी संघीय एजेंसियों में डीईआई कार्यक्रमों को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। राजेंद्र की बर्खास्तगी ऐसे समय में हुई है जब नासा के भीतर कई प्रयास किए गए थे कि उन्हें किसी नए पद के साथ बनाए रखा जाए।

मार्च में नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) ने उन्हें टीम उत्कृष्टता और कर्मचारी सफलता का कार्यालय नामक एक नए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था। यह कदम व्यापक रूप से इस प्रयास के रूप में देखा गया कि उन्हें ट्रंप के आदेश के प्रभाव से बचाया जा सके। हालांकि, भले ही उनका पद बदला गया हो, लेकिन उनके कार्य जैसे कि कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों का संचालन और ब्लैक एक्सीलेंस स्ट्रेटेजिक टीम जैसे समूहों का प्रबंधन लगभग वही रहे। ट्रंप प्रशासन द्वारा डीईआई कार्यक्रमों पर सख्ती बढ़ाने के बाद अंततः उन्हें पद से हटा दिया गया। जेपीएल के भीतर पिछले सप्ताह भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में राजेंद्र की विदाई की पुष्टि की गई। जेपीएल की निदेशक लॉरी लेशिन द्वारा भेजे गए मेल में कहा गया, नीला राजेंद्र अब जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में कार्यरत नहीं हैं। उन्होंने संगठन पर जो स्थायी प्रभाव डाला है, उसके लिए हम अत्यंत आभारी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। नीला राजेंद्र नासा में अपने वर्षों के कार्यकाल के दौरान विविधता और समावेशन बढ़ाने की कई पहलों में अग्रणी रही हैं। उन्होंने अंतरिक्ष कार्यबल 2030 जैसे अभियान का नेतृत्व किया था, जिसका उद्देश्य नासा के कार्यबल में महिलाओं और वंचित समुदायों की भागीदारी बढ़ाना था। उनकी बर्खास्तगी ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक नीति का हिस्सा है जिसके तहत संघीय एजेंसियों से सैकड़ों डीईआई से जुड़े पद समाप्त किए जा चुके हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, ये कार्यक्रम सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करते हैं, विभाजन को बढ़ावा देते हैं और भेदभावपूर्ण व्यवहार को जन्म देते हैं।

सिंगापुर के पूर्व प्रधानमंत्री ने वैश्विक अनिश्चितता को लेकर चेताया

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने कहा है कि देश ने अतीत में कई संकटों का सामना किया है, लेकिन अमेरिका द्वारा थोपे गए नए शुल्क के कारण उत्पन्न मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता अभूतपूर्व है और यह लंबे समय तक बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि अब सहयोगात्मक और स्थिर वैश्विक वातावरण का दौर नहीं है।

ली ने नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस (एनटीयूसी) के संवाद कार्यक्रम में कहा 'कुछ लोग कहते हैं कि चिंता मत करो, हमने पहले भी संकट का सामना किया है। लेकिन इस बार मामला अलग है और हमें इसे गंभीरता से समझना होगा। स्ट्रेट्स टाइम्स ने ली के हवाले से कहा, 'हमें इसे अपने हिसाब से लेना चाहिए। लेकिन हमें चिंतित होने और यह समझने की ज़रूरत है कि क्या हो रहा है और इसका हमारे लिए क्या मतलब है, क्योंकि इस बार, कुछ महत्वपूर्ण है और अलग है। ली ने कहा 'मुझे उम्मीद है कि सिंगापुर के लोग समझेंगे कि क्या हो रहा है, क्या दांव पर लगा है और हमें अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मिलकर क्या करना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंगापुर ने एशियाई वित्तीय संकट, सार्स (सांस की बीमारी) और कोविड-19 महामारी जैसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया, लेकिन तब दुनिया में मुक्त व्यापार और निष्पक्ष वैश्विक व्यवस्था जैसे कारक देश के पक्ष में थे। ली ने कहा कि अमेरिका अब मोस्ट फेवर्ड नेशन (सर्वाधिक तरजीही देशज एमएफएन) की नीति को छोड़कर 'परस्पर शुल्क' प्रणाली की ओर बढ़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नौ अप्रैल को चीन को छोड़कर अन्य देशों के लिए शुल्क में 90 दिनों की राहत दी, लेकिन चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी वस्तुओं पर 125 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ा दिया। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से छोटे देशों को नुकसान होगा और बड़े देशों को भी व्यापार और निवेश में अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। ली ने कहा, 'अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क व्यापार को बाधित करेंगे, लागत बढ़ाएंगे और विकास को धीमा करेंगे। इस बीच, सिंगापुर के वाणिज्य मंत्रालय ने वर्ष 2025 के लिए विकास दर के अनुमान को घटाकर शून्य से दो प्रतिशत कर दिया है। इसके जवाब में प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने आठ अप्रैल को निजी क्षेत्र से संवाद और रणनीति तैयार करने के लिए एक कार्यबल गठित करने की घोषणा की।

घरों की बिक्री में 19 फीसदी की भारी गिरावट

महंगाई ने मारा घर खरीदने का सपना

नईदिल्ली, एजेंसी। पूरे देश में घरों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। देश के आठ सबसे बड़े शहरों में घरों की बिक्री और नए घरों की लांचिंग में 19 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इसे वैश्विक बाजार में रोजगार के अवसरों को लेकर लोगों की अनिश्चितता का परिणाम बताया गया है। महंगे होम लोन के कारण भी निवेशक घर खरीद से पीछे हटने के लिए मजबूर हुए हैं। इसके पहले की तिमाही अक्तूबर-दिसंबर 2024 में भी घरों की बिक्री में 26 फीसदी और नए घरों की लांचिंग में 33 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई थी। इसका असर निर्माण और रियल स्टेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों के रोजगार पर पड़ सकता है।

बंगलूरू और चेन्नई को छोड़कर देश के सभी शहरों में घरों की बिक्री में कमी दर्ज की गई है, जबकि अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में घरों की खरीद-बिक्री में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। बंगलूरू में घरों की बिक्री में 13 प्रतिशत और चेन्नई में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि कोलकाता में केवल एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हैदराबाद और मुंबई में घरों की बिक्री में सबसे ज्यादा 26-26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि पुणे में भी घरों की बिक्री में 25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जनवरी-मार्च 2025 की पहली तिमाही में देश के सबसे बड़े आठ शहरों में होम सेल्स में 19 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। इस दौरान डेवलपर द्वारा नए घरों की उपलब्धता में भी दस फीसदी की गिरावट आई है। घरों की बिक्री में कमी का सबसे बड़ा कारण वैश्विक बाजार में अनिश्चितता और घरों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को माना गया है। निर्माण क्षेत्र में सीमेंट, स्टील, परिवहन और फर्नीचर जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण घरों का निर्माण महंगा हुआ है। इससे लोगों की खरीद क्षमता में घरों की उपलब्धता का संकट

पैदा हुआ है। इसका असर प्रॉपर्टी और निर्माण क्षेत्र की नौकरियों पर पड़ सकता है। इस सेक्टर में काम कर रहे श्रमिकों को इसका सीधा नुकसान होने की संभावना है।

अक्तूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही में भी पूरे देश में घरों की बिक्री में कमी दर्ज की गई थी। इस समय अवधि में दीपावली और नवरात्रि-दशहरा जैसे त्योहारी सीजन होने के बाद भी घरों की बिक्री में 26 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। इस गिरावट का यह परिणाम हुआ था कि प्रॉपर्टी सेक्टर में काम करने वाली कंपनियों ने नए प्रोजेक्ट को लांच करने में कटौती कर दी। इस तिमाही में नए प्रोजेक्ट्स की लांचिंग में पिछले वर्ष की इसी समय अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

लगातार दो तिमाही में घरों की बिक्री और नए घरों के प्रोजेक्ट्स लांच होने में कमी का असर सीधे तौर पर रोजगार के अवसरों को प्रभावित करता है। नए होम प्रोजेक्ट्स की लांचिंग में कमी से निर्माण क्षेत्र में काम कर रहे श्रमिकों के रोजगार पर गहरा नकारात्मक असर छोड़ सकता है। इससे देश की इस बड़े वर्ग के हाथ में पैसे की कमी आवश्यक वस्तुओं की खरीद-बिक्री और उत्पादन को भी प्रभावित कर सकता है।

आरबीआई के कदम से स्थिति संभलने का अनुमान

रिजर्व बैंक ने लगातार दो बार रेपो दरों में कटौती की है। इससे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, महाराष्ट्र बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ब्याज दरों में कटौती की है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक ने इस तरह का कदम न उठाया होता तो इस तिमाही में रियल स्टेट सेक्टर में और अधिक मंदी आ सकती थी। लेकिन ब्याज दरों के कम होने से कुछ निवेशक घर खरीद को अपनी प्राथमिकता में रख सकते हैं।

सोच समझकर करें निवेश: एक्सपर्ट

हाउसिंग डॉट कॉम के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने अमर उजाला से कहा कि पूरी दुनिया में अमेरिका के टैरिफ वॉर के कारण व्यापार में अनिश्चितता पैदा हुई है। इससे लोग अपनी नौकरी और भविष्य को लेकर आशंकित हुए हैं। इसका सीधा असर आने वाले समय में घरों की बिक्री पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि घर-फ्लैट में निवेश ज्यादातर लोगों के लिए जीवन में एक-दो बार किया जाने वाला भारी निवेश होता है, लिहाजा सभी पहलुओं का गहराई से अध्ययन करने के बाद ही किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहिए।

आय के 10 प्रतिशत से अधिक न हो ईएमआई – नवेश एक्सपर्ट अनिल सक्सेना ने अमर उजाला से कहा कि घरों को खरीदना इतना महंगा हो गया है कि बिना बैंक से कर्ज लिए घर खरीदने की बात अब कोई सोच भी नहीं सकता। लेकिन ऐसा करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि होम लोन के रूप में जाने वाली ईएमआई अपनी मासिक-वार्षिक आय के 15-20 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

10,000 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए सरकार जारी करेगी टेंडर!

नईदिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी जेबीएम ऑटो लिमिटेड और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। इन कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। यही वजह है कि आज बुधवार, 16 अप्रैल को कंपनी के शेयरों में 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। दरअसल, खबर है कि सरकार 10,000 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए टेंडर जारी करने वाली है। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत बसों की खरीद के लिए टेंडर अगले महीने जारी किए जाने की संभावना है।

क्या है डिटेल

सीएनबीसी-टीवी18 ने सोर्स के हवाले से बताया है कि सीईएसएल या कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड 9 शहरों के लिए इंट्रा-सिटी ई-बस ऑपरेटर चुनने के लिए टेंडर जारी करेगी और केंद्र इन बसों की खरीद के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देगा। इन नौ शहरों में बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, नई दिल्ली और कोलकाता शामिल हैं। हैवी उद्योग मंत्रालय ने प्रति इलेक्ट्रिक बस अधिकतम सब्सिडी राशि 35 लाख तय की है और अधिकांश राज्यों ने इंट्रासिटी उपयोग के लिए 12 मीटर की इलेक्ट्रिक बसों की मांग की है। बता दें कि सरकार ने सितंबर 2024 में पीएम ई-ड्राइव योजना शुरू की थी। 10,900 करोड़ का परिव्यय मार्च 2026 तक लागू है।

शेयरों के हाल– जेबीएम ऑटो की सहायक कंपनी जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी ने इस साल फरवरी में पीएम ई-बस सेवा योजना-टू के तहत 5,500 करोड़ का ऑर्डर जीता था। जेबीएम ऑटो के शेयर 10.2 प्रतिशत बढ़कर 689 पर कारोबार कर रहे हैं, लेकिन अपने हाल के शिखर 1,169 से काफी नीचे हैं।

एचडीएफसी बैंक के शेयर खरीदें, 2350 तक जा सकती है कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक का शेयर आज बीएसई पर 1,882.05 के नए हाई पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरे दिन की बढ़त है। शेयर ने आज 1,882 के ओपन प्राइस के साथ शुरुआत की, जबकि कल का क्लोजिंग प्राइस 1,864.90 था। सुबह 10-05 तक यह शेयर 0.60 प्रतिशत चढ़कर 1,876 पर ट्रेड कर रहा था। इसी दौरान सेंसेक्स भी 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,830 के लेवल पर था। यह नया रिकॉर्ड प्राइस, 19 सितंबर 2019 के स्टॉक स्प्लिट के बाद एडजस्ट किया गया है।

कैसा रहा साल 2025 का सफर

शेयर मार्केट में उथल-पुथल के बावजूद एचडीएफसी बैंक के शेयर ने इस साल अच्छी बढ़त दिखाई है। 15 अप्रैल तक, यह शेयर साल 2025 में 5 प्रतिशत चढ़ चुका है, जबकि सेंसेक्स 2 प्रतिशत नीचे गिरा है। पिछले साल 13 मई को यह शेयर अपने 52-हफ्ते के निचले स्तर 1,430.15 पर पहुंचा था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आप लॉन्ग टर्म के लिए इन्वेस्ट करते हैं, तो एचडीएफसी बैंक के शेयर में दम दिखता है। फरवरी में 2 प्रतिशत, मार्च में 6 प्रतिशत, और अप्रैल में अब तक 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ एचडीएफसी बैंक लगातार तीसरे महीने ग्रीन में है।

अमेरिका लगातार चौथे साल भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

चीन से व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका लगातार चौथे साल वर्ष 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। इस दौरान दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। हालांकि, इस अवधि में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मंगलवार को जारी आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है। पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया। 2023-24 में यह आंकड़ा 16.66 अरब डॉलर था। हालांकि, 2024-25 में भारत का चीन से आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था।

चीन के साथ व्यापार घाटे में 17 फीसदी की बढ़ोतरी

चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में यह आंकड़ा 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के दोतरफा कारोबार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। 2023-24 में दोनों देशों के बीच 118.4 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2013-14 से 2017-18 तक और 2020-21 में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। 2021-22 से अमेरिका सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान, 100.5 अरब डॉलर के साथ यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा।

अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हुआ– बीते वित्त वर्ष में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में भारत का अमेरिका से आयात 7.44 प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष में 41.18 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

अमेरिका के साथ इन चीजों का हो रहा निर्यात और आयात

2024 में, अमेरिका भारत ने जिन प्रमुख चीजों का निर्यात किया उनमें औषधि निर्माण और जैविक (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु के आभूषण (3.2 अरब डॉलर), सहायक उपकरण सहित सूती तैयार वस्त्र (2.8 अरब डॉलर), और लोहा और इस्पात के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल हैं। आयात के प्रमुख उत्पादों में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए हुए हीरे (2.6 अरब डॉलर), इलेक्ट्रिक मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उसके पुर्जे (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल है। आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी आने की उम्मीद है क्योंकि दोनों देश एक कारोबारी समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका मकसद 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं में दोतरफा वाणिज्य को वर्तमान 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है।

सरकारी कंपनी को हुआ प्रॉफिट तो सरपट दौड़ने लगे शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में बुधवार को मिलाजुला रुख रहा। मार्केट खुलने से लेकर दोपहर 12 बजे तक सेंसेक्स और निफ्टी में उतार-चढ़ाव आता रहा। वहीं दूसरी ओर कई कंपनियों के शेयर ने मार्केट में गिरावट के बाद भी ऊंची छलांग लगाई। इसी में सरकारी कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी का शेयर भी शामिल है। कंपनी ने एक दिन पहले ही अपनी चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। चौथी तिमाही में कंपनी को जबरदस्त फायदा हुआ है। इसके बाद आज बुधवार को इसके शेयर में तेजी देखी गई। इरेडा के शेयर बुधवार को 7 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। एक दिन पहले यानी मंगलवार को यह 167.10

रुपये पर बंद हुआ था। बुधवार को यह 5 फीसदी की तेजी के साथ 175.75 रुपये पर खुला। खुलते ही इसने बढ़त बनाना शुरू कर दिया और देखते ही देखते 7 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 179.50 रुपये पर जा पहुंचा। दोपहर करीब 12 बजे यह शेयर 6 फीसदी की तेजी के साथ 177.20 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

कंपनी ने खूब दिया लोन– सरकार के स्वामित्व वाली इस कंपनी ने चौथी तिमाही में 47,453 करोड़ रुपये के लोन मंजूर किए। यह पिछले साल से 27 प्रतिशत ज्यादा है। इस तिमाही में लोन का वितरण 20 प्रतिशत बढ़कर 30,168 करोड़ रुपये हो गया। ऐसे में इरेडा का कुल लोन पोर्टफोलियो इस तिमाही में बढ़कर 76,250 करोड़ रुपये हो गया है। यह पिछले साल की इसी तिमाही के 59,698 करोड़ रुपये से 28 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट चौथी तिमाही में 770 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 498 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी के ऑपरेटिंग प्रॉफिट में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के ग्रॉस एनपीए इस तिमाही में 1,866 करोड़ रुपये रहे। पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 1,845 करोड़ रुपये था और पिछले साल इसी तिमाही में 1,411 करोड़ रुपये था।

कैसा रहा कंपनी का रिजल्ट

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही के नतीजे मंगलवार को जारी किए। इस तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 49 प्रतिशत बढ़कर 502 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 337 करोड़ रुपये था। वहीं कंपनी की कुल कमाई भी बढ़ी है। इस चौथी तिमाही में कंपनी ने 1,905 करोड़ रुपये कमाए। पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 1,391 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी की कमाई में 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

दो दिन में 18.42 लाख करोड़ का फायदा...

● भारत में कुछ उद्योगपति काम के घंटे बढ़ाने की बात कर रहे हैं ● टोक्यो शहर की सरकार ने यह नया नियम शुरू किया

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रमुख ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टैनली ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना नजरिया जारी किया है। फर्म ने दिसंबर 2025 के लिए बीएसई सेंसेक्स का टारगेट घटा दिया है। हालांकि, उसका मानना है कि भारतीय बाजार में अभी भी तेजी बनी रहेगी। दो दिनों में शेयर बाजार में आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 18.42 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

मॉर्गन स्टैनली ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट के बावजूद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। लेकिन, मल्टी-मंथ लो तक पहुंचने का खतरा अभी भी बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की मध्यम अवधि की कमाई का साइकिल ठीक है।

मॉर्गन स्टैनली के अनुसार, भारत का लो बीटा वैश्विक बाजार में गिरावट के बीच बेहतर प्रदर्शन करने में मदद कर रहा है। हालांकि, इंडेक्स मल्टी-मंथ लो तक पहुंच सकता है। भारत के लिए कुछ खास चीजें हैं जो बाजार को ऊपर ले जा सकती हैं। जैसे आरबीआई की ओर से ब्याज दरों में कटौती, जीएसटी दरों में कटौती, अमेरिका के साथ व्यापार समझौता और अच्छे आर्थिक आंकड़े। ब्रोकरेज फर्म

ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कमाई का अनुमान 13 प्रतिशत घटा दिया है। इसका कारण वैश्विक स्थिति को बताया गया है। उसने कहा कि सरकार के बेहतर काम और आरबीआई की उदार नीति से घरेलू विकास को समर्थन मिल रहा है। भारत की मध्यम अवधि की कमाई का चक्र अभी भी ठीक है। दिसंबर 2025 के लिए सेंसेक्स के टारगेट पर मॉर्गन स्टैनली ने कहा, हमारा नया दिसंबर 2025 का सेंसेक्स टारगेट 12 प्रतिशत कम होकर 82,000 है, जो वर्तमान स्तर से 9 प्रतिशत ऊपर है। इसका मतलब है कि मॉर्गन स्टैनली को अभी भी सेंसेक्स में बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन पहले जितनी नहीं।

दिसंबर 2024 में मॉर्गन स्टैनली ने भविष्यवाणी की थी कि दिसंबर 2025 तक सेंसेक्स 93,000 तक पहुंच जाएगा। लेकिन, अब उसने अपना लक्ष्य घटा दिया है।

निवेशकों की संपत्ति 18.42 लाख करोड़ बढ़ी

दो कारोबारी सत्रों में शेयर बाजार में आई तेजी की बात करें तो निवेशकों की संपत्ति 18.42 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कुछ इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर शुल्क में छूट दिए जाने और वाहनों पर टैरिफ की समीक्षा के संकेत के बाद वैश्विक बाजारों में तेजी आई। इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा बीएसई सेंसेक्स 1,577.63 अंक यानी 2.10 फीसदी की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ।

दो दिनों में सेंसेक्स 2,887.74 अंक चढ़ा है। इस तेजी के साथ बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 18,42,028.91 करोड़ रुपये बढ़कर 4,12,24,362.13 करोड़ रुपये हो गया। इसका मतलब है कि निवेशकों को दो दिनों में काफी फायदा हुआ है। कुल मिलाकर मॉर्गन स्टैनली ने भारत के शेयर बाजार के लिए अपना लक्ष्य घटा दिया है, लेकिन उसे अभी भी इसमें तेजी की उम्मीद है। वहीं, शेयर बाजार में आई तेजी से निवेशकों को काफी फायदा हुआ है।

उत्साहित भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उचित टीम संयोजन तैयार करना चाहेगा भारत

नागपुर, एजेंसी। भारतीय टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उचित टीम संयोजन तैयार करना चाहेगा जिसमें कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर भी नजर रहेगी।

कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी।

यह दोनों स्टार खिलाड़ी पिछले महीने रणजी ट्रॉफी में भी खेले थे लेकिन उसमें भी असफलता ही उनके हाथ लगी थी। अब वह उस प्रारूप में वापसी करेंगे जिसमें उन्होंने वर्षों तक अपना दबदबा बनाए रखा था।

इन दोनों खिलाड़ियों ने वनडे विश्व कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया था। कोहली ने जहां इस टूर्नामेंट में 765 रन बनाए थे वहीं रोहित ने 597 रन का योगदान दिया था।

विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद यह दोनों खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला में खेले थे। रोहित ने इस श्रृंखला में दो अर्धशतक लगाए थे जबकि कोहली कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

इन दोनों का लचर प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में भी जा रहा जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलबाजी शुरू हो गई।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला पाकिस्तान और दुबई में 19 फरवरी से शुरू वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम प्रतियोगिता होगी जो टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित और कोहली के करियर के लिए भी निर्णायक साबित होगी।

भारतीय टीम के लिए कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म ही चिंता का विषय नहीं है, उसे इस पर भी काफी माथापच्ची करनी होगी कि ऋषभ पंत और केएल राहुल में से विकेटकीपर की भूमिका कौन निभाएगा।

रोहित और उप कप्तान शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर उतरेंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नंबर आता है।

पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी तथा उन्होंने 452 रन बनाए थे। उनकी उपस्थिति में टीम का अच्छा संतुलन बना लेकिन बीच के ओवरों में लगातार स्ट्राइक रोटेट करने में उनकी नाकामी चिंता का विषय होगी।

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में दाएं हाथ के बल्लेबाजों की भरमार है और ऐसे में पंत बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण उसमें विविधता लाते हैं। वह आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में वह टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं।

भारतीय टीम प्रबंधन इन दोनों के साथ उतर सकता है लेकिन ऐसे में अय्यर को बाहर बैठना पड़ेगा जो उपयोगी योगदान देते रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को भी मैच अभ्यास का मौका मिलेगा। यह दोनों चोट से उबर कर वापसी कर रहे हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के कारण स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें यहां वनडे में पदार्पण का मौका मिल सकता है और वह अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल होने का मजबूत दावा पेश कर सकते हैं।

टीम प्रबंधन को स्पिन ऑलराउंडर के लिए भी कड़ा फैसला करना होगा। इस स्थान के लिए रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। जडेजा ने वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है।

इंग्लैंड भी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान देगा। उसे आईसीसी टूर्नामेंट से पहले अपनी कमजोरियों को जल्द से जल्द दूर करना होगा। उसे इस श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा था।

इंग्लैंड की टीम में जो रूट को छोड़कर अधिकतर वही बल्लेबाज हैं जिन्हें टी20 श्रृंखला में रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।

पार्ल रॉयल्स को हराकर मुंबई इंडियंस केपटाउन पहली बार एसए20 फाइनल में

गक्बेरहा, एजेंसी। पिछले दो सत्र में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद इस बार अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए मुंबई इंडियंस केपटाउन ने पार्ल रॉयल्स को पहले क्वालीफायर में 39 रन से हराकर पहली बार एसए20 लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

फाइनल शनिवार को वांडरर्स पर खेला जायेगा जबकि पार्ल रॉयल्स बृहस्पतिवार को दूसरा क्वालीफायर खेलेगी जिसमें उसका सामना दो बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप और जोबर्ग सुपर किंग्स के बीच होने वाले एलिमिनेटर के विजेता से होगा।

पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर एमआई केपटाउन ने फॉर्म में चल रहे रासी वान डेर डुसेन (32 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 40 रन और रियान रिकेलटन (27 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों के साथ 44) की शानदार पारियों के दम पर चार विकेट पर 199 रन बनाये। दोनों ने पावरप्ले के पहले छह ओवर में 66 रन जोड़े।

जवाब में रॉयल्स की टीम 19.4 ओवर में 160 रन पर आउट हो गई।मुंबई की यह लगातार पांचवीं जीत थी जबकि रॉयल्स की हार की हैट्रिक रही।

रॉयल्स के गेंदबाज क्वेना मफाका ने चौथे ओवर में 15 और ब्योर्न फोर्चून ने अगले ओवर में बीस रन दे डाले। रॉयल्स के कप्तान

मिलर ने सातवें ओवर में वेलालागे को गेंद सौंपी जिन्हें सफलता भी मिल जाती लेकिन मुजीबुर रहमान ने 33 के स्कोर पर रिकेलटन का कैच छोड़ा।

डायान गेलेन ने 87 रन की इस साझेदारी को तोड़ा जब उनकी गेंद पर वान डेर डुसेन ने मिडआफ में मिलर को आसान कैच थमाया। अगले ओवर में वेलालागे ने रिकेलटन को सीमारेखा पर ओवेन के हाथों लपकवाया।

एमआई केपटाउन ने छह रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिये और स्कोर बिना किसी नुकसान के 87 रन से तीन विकेट पर 93 रन हो गया। जॉर्ज लिंडे और डेवाल्ड ब्रेविस ने हालांकि टीम की पकड़ बनाये रखी और सिर्फ 32 गेंद में 74 रन की साझेदारी करके सेंट जॉर्ज पार्क पर इस सत्र में टीम को सबसे बड़ा स्कोर दिया। डेलानो पोटगीटेर ने 17 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये।

रॉयल्स की शुरूआत अच्छी रही और लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने मिचेल ओवेन के साथ ट्रेंट बोल्ट के पहले ओवर में 21 रन बनाये। कैगिसो रबाडा ने हालांकि प्रिटोरियस (छह गेंद में 15 रन) को जल्दी आउट करके रॉयल्स को करारा झटका दिया।

इसके बाद से सिर्फ मिलर ही कुछ देर टिककर खेल सके जिन्होंने 26 गेंद में 45 रन बनाये। आईपीएल के पूर्व स्टार दिनेश कार्तिक ने भी 31 रन का योगदान दिया लेकिन बाकी बल्लेबाज फिर नाकाम रहे।

एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान ने वेलालागे को क्लीन बोल्ड किया और वह टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हो गए। उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो के 631 विकेट को पीछे छोड़ दिया।

एमआई केपटाउन के स्टार तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने जीत के बाद कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने भी इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। यह सफलता टीम प्रयासों का ही नतीजा है।

संक्षिप्त

सूर्यकुमार के एक ही प्रकार से आउट होने पर भड़के अश्विन

चेन्नई, एजेंसी। हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खराब शॉट लगाकर विकेट गंवाने के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव की आलोचना की है। अश्विन ने कहा कि सूर्या की कप्तानी अच्छी थी पर उनकी बल्लेबाजी चिन्ता का कारण रही। वह सीरीज की पांच पारियों में केवल 28 रन ही बना पाये। पूरी सीरीज में सूर्यकुमार फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए जबकि ये उनका पसंदीदा शॉट है। इसी प्रकार बल्लेबाज संजू सैमसन का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वह भी सभी पारियों में नाकाम रहे। सेमसन जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स की गेंदों के सामने टिक नहीं पाये। अश्विन ने कहा कि समस्या सूर्यकुमार की बल्लेबाजी है। बेशक इस सीरीज में उनकी कप्तानी अच्छी थी पर उनके लिए रन बनाने भी जरुरी थी। सूर्या और सैमसन एक ही गेंद पर आउट हो रहे हैं। एक या दो मैचों में माना जा सकता है कि वह गलती है पर सभी मैचों में इसी प्रकार आउट होना चिन्ता की बात है। खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेलना चाहिए पर उन्हें अपनी जिम्मेदारी भी निभानी होगी। सूर्या की तरह ही सैमसन भी सभी मैचों में विफल रहे और इसी कारण अब उनकी टीम में जगह भी खतरे में पड़ गयी है।

पाक के साथ मुकाबले में भारतीय टीम प्रबल दावेदार रहेगी : बासित

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि 23 फरवरी को दुबई में होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारत और पाक के बीच होने वाले इस मुकाबले का प्रशंसक बेसब्री इंतजार कर रहें हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी में हालांकि पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। बासित का कहना है कि भारतीय टीम के पास पाक से कहीं अधिक अनुभव है। बासित ने कहा, 70 फीसदी भारत और 30 फीसदी पाक जीत का दावेदार रहेगा। इसका कारण है कि भारत के पास अधिक अनुभवी टीम है। वहीं अगर भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और कप्तान रोहित फॉर्म में नहीं रहे तो मुकाबला बराबरी पर आ जाएगा। चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 में अपने आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की थी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे और ये मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की तैयारी के लिए दोनों टीमें अपने-अपने अभियान शुरू करने से पहले एकदिवसीय सीरीज खेल रही है। भारतीय टीम जहां इंग्लैंड से तीन मैचों की सीरीज खेल रही है।

द्रविड़ की कार को ऑटो ने मारी टक्कर, भड़के पूर्व कप्तान

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड की कार को टक्कर मारे जाने का एक मामला सामना आये है। द्रविड़ की कार को एक ऑटो-रिक्शा ने टक्कर मारी थी। इससे आम तौर पर शांत रहने वाले द्रविड़ गुस्से में आ गये। द्रविड़ का ये गुस्से वाला रुप देखकर लोग हैरान रह गये। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें द्रविड़ ऑटो ड्राइवर से गुस्से में बात करते हुए दिख रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ की कार को एक मालवाहक ऑटो ने टक्कर मार दी हालांकि यह बात साफ नहीं हो पाई है कि द्रविड़ गाड़ी स्वयं चला रहे थे या उनके साथ ड्राइवर था। ये मामला बेंगलुरु के व्यस्त इलाके कनिंघम रोड का है। इस दौरान ऑटो चालक ने ट्रैफिक में फंसी द्रविड़ की कार को पीछे से टक्कर मारी। द्रविड़ ने ऑटो चालक का संपर्क नंबर और ऑटो का रजिस्ट्रेशन नंबर नोट किया और फिर वहां से चले गए। घटना के बारे में और जानकारी अभी सामने आनी बाकी है। यह घटना शाम 6:30 बजे के आसपास हुई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दुर्घटना के संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

सिमोना हालेप ने टेनिस को अलविदा कहा

बुखारेस्ट (रोमानिया), एजेंसी। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने मंगलवार को अपने गृह देश रोमानिया में एक टूर्नामेंट के पहले दौर में हार के बाद 33 साल की उम्र में टेनिस से संन्यास की घोषणा की।

हालेप ने रोमानिया के क्लुज में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में लूसिया ब्रॉन्ज़ेटी से 6-1, 6-1 की हार के बाद दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं नहीं जानती कि मैं दुख के साथ या खुशी के साथ यह घोषणा कर रही हूं। मुझे लगता है कि मैं दोनों को महसूस कर रही हूं लेकिन इस फैसले से मुझे शांति मिली है। मैं हमेशा यथार्थवादी रही हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरा शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा। भले ही मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन मैं आपके सामने खेलकर टेनिस को अलविदा कहना चाहती थी। हालेप 2017 में पहली बार विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची थी लेकिन अभी वह 870वें स्थान पर हैं।

छत्तीसगढ़ में छह फरवरी से शुरु होगा लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बलिदानी वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की मेजबानी में लीजेंड 90 लीग टूर्नामेंट का आगाज 6 फरवरी को होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 18 फरवरी तक चलेगा। वहीं आज बुधवार को 6 टीमों के 60 से अधिक खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। आईपीएल की तर्ज पर दर्शकों को ओपनिंग सेरेमनी देखने को मिलेगी, जिसमें तमन्ना भाटिया, आयुष्मान खुराना और हार्डी संधू धमाकेदार परफॉर्मेंस करेंगे। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग में देश-विदेश के दिग्गज क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। आज बुधवार 6 फरवरी से पहले इन टीमों के दिग्गज खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण होगा। इस लीग में शामिल टीमों के नाम, उनके कप्तान और स्टार खिलाड़ी पहले ही चर्चा में आ चुके हैं, और सभी की नजरें इस रोमांचक टूर्नामेंट पर टिकी हुई हैं। वहींलीजेंड 90 लीग के लिए पिच को तैयार किया गया है।

मैदान के चारों और लाइट सिस्टम लगाया जा रहा है। लीग टूर्नामेंट से पहले व्यवस्था को बेहतर कर लिया गया है। दर्शकों के बैठने के लिए कई हजार नई सीटें लगाई गई है। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी बेहद खास होगी। इस आयोजन में फिल्म और संगीत जगत के मशहूर सितारे अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस देंगे। बॉलीवुड के स्टार अभिनेता आयुष्मान खुराना, खूबसूरत अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और पंजाबी सिंगर हार्डी संधू इस भव्य आयोजन में परफॉर्म करेंगे।

हरियाणा बनाम मुंबई रणजी क्वार्टर फाइनल कोलकाता शिफ्ट

मुंबई, एजेंसी। रणजी ट्रॉफ़ी क्वार्टर फाइनल के लिए मुंबई की रवानगी में देरी हो गई है क्योंकि उन्हें बीसीसीआई द्वारा आयोजन स्थल में देर से बदलाव की सूचना दी गई। टीम को बुधवार सुबह 5 फ़रवरी को लाहली पहुंचना था, जहां उन्हें शुक्रवार से हरियाणा से खेलना था। यह मैच अब कोलकाता में शिफ़्ट कर दिया गया है।

मंगलवार शाम को बोर्ड द्वारा सूचित किए जाने के बाद मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) अब टीम के लिए ज़ल्द से ज़ल्द कोलकाता के लिए उड़ान भरने की व्यवस्था करना चाहता है। इस मामले ने मेज़बान हरियाणा को भी आश्चर्यचकित कर दिया है क्योंकि बीसीसीआई ने देर से बदलाव के लिए कोई कारण नहीं बताया है।

मुंबई की तरह हरियाणा के भी बुधवार देर रात कोलकाता पहुंचने

की उम्मीद है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि लाहली में मौसम पिछले कुछ दिनों से साफ़ है और एसोसिएशन को बंसी लाल स्टेडियम में मैच की मेज़बानी करने का भरोसा था, जिसने इस सीज़न में अपने सभी तीन घरेलू मैचों की मेज़बानी की थी।

ईएसपीएन क्रिकइंफो ने इस मामले में हरियाणा क्रिकेट संघ के अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने इस मामले पर कुछ भी कमेंट करने से मना कर दिया।

हरियाणा की तरह, जम्मू-कश्मीर को भी घरेलू मैदान पर खेलने का फ़ायदा नहीं मिलेगा क्योंकि केरल के ख़िलाफ़ क्वार्टर फ़ाइनल जम्मू से पुणे के स्टेडियम में शिफ़्ट कर दिया गया है। हालांकि, लाहली के विपरीत, पता चला है कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) कड़ी सर्दियों के कारण मैदान की स्थिति को लेकर चिंतित था और उसने बीसीसीआई को इसके बारे में बता दिया था।

जेकेसीए मुंबई या अहमदाबाद में इस मैच की मेज़बानी करने का इच्छुक था, लेकिन ये दोनों जगह उपलब्ध नहीं थे, जिसके बाद मैच को पुणे में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

अन्यउ दो नॉकआउट मैच : विदर्भ बनाम तमिलनाडु और सौराष्ट्र बनाम गुजरात तय नियमानुसार क्रमशः नागपुर (सिविल लाइंस स्टेवडियम) और राजकोट (निरंजन शाह स्टे डियम) में खेले जाएंगे, जहां ग्रुप में शीर्ष रहने वाली टीम मेज़बानी करती है।

सात मैचों में छह आउटराइट जीत के कारण विदर्भ के 40 अंक इस सीज़न में ग्रुप चरण में किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक हैं।

रूण, अल्काराज रोटर्डम में दूसरे दौर में पहुंचे

रोटर्डम, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज़ ने बुधवार (आईएसटी) को रोटर्डम ओपन में कड़ी टक्कर के साथ जीत हासिल करके पिछले साल यूएस ओपन में वैन डी ज़ैंड्सचुल्प से मिली हार का बदला ले लिया। स्पैनिश खिलाड़ी को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन उसने डच वाइल्डकार्ड ज़ैंड्सचुल्प के खिलाफ़ 7-6(3), 3-6, 6-1 से जीत हासिल कर इंडोर हार्ड-कोर्ट एटीपी 500 में दूसरे दौर में प्रवेश किया।

एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार अल्काराज़, जिन्हें पिछले साल यूएस ओपन में दूसरे दौर में डच खिलाड़ी ने चौंका दिया था, पूरे चुनौतीपूर्ण मुकाबले में अपनी लय को खोजने के लिए संघर्ष करते रहे। फिर भी 21

वर्षीय खिलाड़ी ने अपना संयम वापस पाया और एक प्रभावशाली अंतिम सेट में आगे बढ़ते हुए दो घंटे, 33 मिनट की जीत दर्ज की।

16 टूर-लेवल खिताब जीतने के बावजूद, अल्काराज़ अभी तक इंडोर चैंपियनशिप मैच में नहीं पहुंच पाए हैं। अब उनका अगला मुकाबला क्वालीफायर एंड्रिया वावस्सोरी या 2025 में दो बार खिताब जीतने वाले फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से दूसरे दौर में होगा।

इसके अलावा, कुछ शारीरिक बाधाएं भी थीं, जो सर्दी के साथ रोटर्डम पहुंचे थे और सांस लेने में आसानी के लिए अपनी नाक पर टेप का एक टुकड़ा लगाकर खेले थे। स्पैनियार्ड ने कहा, ₹मैं अभी भी 100 प्रतिशत फिट महसूस नहीं कर रहा हूं। इसके लिए मुझे कुछ और दिन चाहिए। लेकिन मानसिक रूप से मजबूत बने रहना ही सबसे बड़ी बात थी। और सौभाग्य से यह काम कर गया। इस लिहाज से यह प्रशंसकों के लिए भी एक शानदार मैच था।

दूसरी ओर, होल्गर रूण ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनलिस्ट लोरेंजो सोनेगो को दो घंटे, 11 मिनट में 7-6(4), 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल रोटर्डम के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

पांचवें वरीय खिलाड़ी ने 2022 सीजन की शुरुआत के बाद से अपनी 44वीं इंडोर जीत हासिल की, जो फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे की 53 जीत के बाद दूसरे स्थान पर है।

हरभजन ने अभिषेक को दी गेंदबाजी सुधारने की सलाह

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने कहा है कि कि ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को अपनी गेंदबाजी को और बेहतर करना चाहिये। हरभजन के अनुसार अभिषेक आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए क्या कर सकते हैं ये सभी ने देखा है पर उन्हें अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने पर काम करना होगा। हरभजन ने कहा कि अभिषेक के पास एक अच्छे स्पिनर बनने की सभी क्षमताएं है। ऐसे में गेंदबाजी कौशल को बढ़ाने से वह कई तरीकों से टीम के प्रति योगदान दे पायेंगे। हरभजन ने बातें मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अभिषेक की पारी को देखकर कही हैं। उस मैच में अभिषेक ने अपनी पारी 13 छक्के और सात चौके लाकर 135 रन बनाये थे। वहीं गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी लिए थे जिससे भारतीय टीम बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। अपने शुरुआती टी20 करियर में अभिषेक ने अब तक 19 ओवर में 6 विकेट लिए हैं। हरभजन ने कहा कि मैं अभिषेक को कुछ और गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं। वह बहुत अच्छा गेंदबाज है। जब मैंने उसे अपने करियर की शुरुआत में देखा, तो मैंने देखा कि उसकी सीम स्थिति उत्कृष्ट थी। हालांकि, वह अपनी गेंदबाजी में उतना प्रयास नहीं करता जितना उसे करना चाहिये।

नियुक्ती

गुजरात जायंट्स की कप्तानी मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है : एश्ले गार्डनर

बेथ मूनी की जगह एश्ले गार्डनर गुजरात जायंट्स की कप्तान बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2025 सीजन से पहले, गुजरात जायंट्स ने ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर को अपना कप्तान नियुक्त किया है। वह अपनी ऑस्ट्रेलियाई साथी बेथ मूनी की जगह लेंगी, जिन्होंने डब्ल्यूपीएल 2024 में गुजरात की कप्तानी की थी।

गुजरात डब्ल्यूपीएल के पहले दो सीजन में अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी और अब वह 14 फरवरी को वडोदरा में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने डब्ल्यूपीएल 2025 सीजन की शुरुआत में अपनी किस्मत बदलने की कोशिश कर रही है। "गुजरात जायंट्स की कप्तानी

मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीजन में इस शानदार ग्रुप का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं।

फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में एश्ले ने कहा, हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का एक बेहतरीन मिश्रण है और हमारी टीम में बहुत सारी भारतीय प्रतिभाएं हैं। मैं टीम के साथ काम करने और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं। एश्ले 2017 से ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ नियमित रूप से जुड़ी हुई हैं और दो बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार विजेता हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और दक्षिण अफ्रीका में 2023 महिला टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट रहीं।

2023 में डब्ल्यूपीएल की शुरुआत के बाद से, एश्ले गुजरात जायंट्स की टीम का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं, उन्होंने 324 रन बनाए हैं और 17 विकेट लिए हैं। मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने एश्ले के नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त किया और पिछले सीज़न में टीम की कप्तान होने के लिए बेथ को धन्यवाद दिया। वह एक ज़बरदस्त प्रतियोगी हैं। उनकी खेल जागरूकता, सामरिक कौशल और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें गुजरात जायंट्स की कप्तानी के लिए आदर्श विकल्प बनाती है। हमारा मानना है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगी और टीम को सफल अभियान की ओर ले जाएंगी। "मैं मूनी को उनके अत्यधिक मूल्यवान नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। अब, वह विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी लाइनअप पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगी। वह हमारे समूह की एक प्रमुख लीडर बनी हुई हैं।"

अडानी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने कहा, "गार्डनर अपने समर्पण, कौशल और नेतृत्व के साथ गुजरात जायंट्स की भावना का प्रतीक हैं। कप्तान के रूप में उनकी नियुक्ति एक विश्व स्तरीय टीम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है जो उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करती है। हमें विश्वास है कि उनकी कप्तानी में टीम डब्ल्यूपीएल में शानदार प्रदर्शन करेगी। गुजरात जायंट्स डब्ल्यूपीएल 2025 टीमः एश्ले गार्डनर (कप्तान), बेथ मूनी, दयालन हेमलता, हरलीन देयोल, लौरा वोल्वार्ट, शबनम शकील, तनुजा कंवर, फोबे लिचफील्ड, मेघना सिंह, काशवी गौतम, प्रिया मिश्रा, मन्नत कश्यप, भारती फुलमाली, सयाली सतघरे, डींड्रा डॉटिन, सिमरन शेख, डेनिएल गिब्सन और प्रकाशिका नाइक।

खतरों के खिलाड़ी की ये हसीना, अब हॉरर फिल्म से बढ़ाएंगी फैंस की धड़कनें

चेतना पांडे विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म %हॉन्डेट 3डीः घोस्ट्स ऑफ द पास्ट में दिखाई देने वाली हैं. एक्ट्रेस मिमोह चक्रवर्ती के साथ इस फिल्म में नजर आएंगी जो कि 26 सितंबर को रिलीज होगी.चेतना पांडे खतरों के खिलाड़ी 12 का हिस्सा थीं.

विक्रम भट्ट एक बार फिर दर्शकों को डर और रहस्य की उस दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। हॉरर फिल्मों के मास्टर कहे जाने वाले विक्रम भट्ट ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'हॉन्टेड 3ष्ठ' की सफलता के 14 साल बाद इसका बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'हॉन्टेड 3डीः घोस्ट्स ऑफ द पास्ट' अनाउंस कर दिया है।

हॉन्टेड 3ष्ठ फिल्म न सिर्फ विक्रम भट्ट की हॉरर शैली में वापसी है, बल्कि तकनीकी और कहानी के लिहाज से एक नया अनुभव देने का वादा भी करती है। मेकर्स ने इस फिल्म की घोषणा एक खौफनाक और रोमांचक मोशन पोस्टर के ज़रिए की है, जिसने रिलीज़ होते ही दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए।

पोस्टर में एक रहस्यमयी हवेली, धुंध और परछाइयों के बीच छिपे डर को बखूबी दिखाया गया है, जो फिल्म के टाइटल

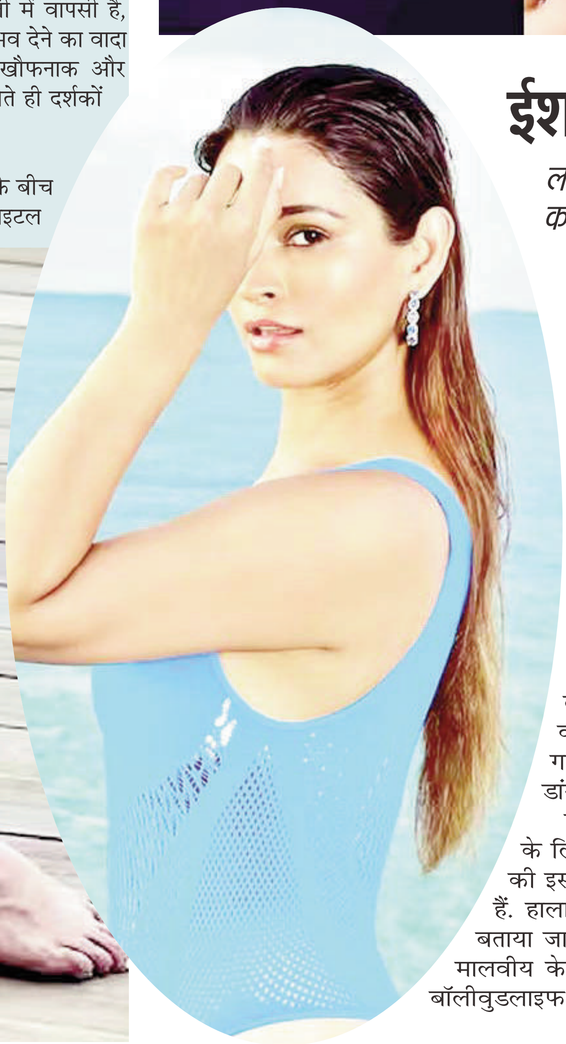

ईशा मालवीय ने दिखाए अपने किलर मूव्स

लोग कह रहे हैं कि ईशा मालवीय का डांस को तमन्ना भाटिया से भी ज्यादा कमाल लग रहा है. लोग ईशा मालवीय की इस वीडियो को रीपिट कर करके देख रहे हैं. यही वजह है जो कुछ समय में ही ईशा मालवीय का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. एक यूजर ने ईशा मालवीय की वीडियो पर लिखा, ईशा का डांस बहुत हॉट है. इस डांस ने सोशल मीडिया के तापमान को कम से कम 10 डिग्री तो बढ़ा ही दिया होगा.

टीवी अदाकारा ईशा मालवीय बीते कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. कुछ समय पहले ही एकता कपूर ने अपने सुपरनैचुरल शो नागिन 7 को लेकर एक बड़ा ऐलान किया था. ये ऐलान होने के बाद से ही ईशा मालवीय का नाम नागिन 7 के साथ जोड़ा जा रहा है. इसी बीच ईशा मालवीय ने कुछ ऐसा कर दिया है जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है. हाल ही में ईशा मालवीय ने अपने फैंस के साथ एक वीडियो शेयर की है. इस वीडियो में ईशा मालवीय तमन्ना भाटिया के गाने नशा पर डांस करती नजर आ रही हैं. वीडियो में ईशा मालवीय का आउटफिट बहुत कमाल लग रहा है. इतना ही नहीं ईशा मालवीय के डांस मूव्स ने तो फैंस का दिल ही जीत लिया है.

लोग कह रहे हैं कि ईशा मालवीय का डांस को तमन्ना भाटिया से भी ज्यादा कमाल लग रहा है. लोग ईशा मालवीय की इस वीडियो को रीपिट कर करके देख रहे हैं. यही वजह है जो कुछ समय में ही ईशा मालवीय का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. एक यूजर ने ईशा मालवीय की वीडियो पर लिखा, ईशा का डांस बहुत हॉट है. इस डांस ने सोशल मीडिया के तापमान को कम से कम 10 डिग्री तो बढ़ा ही दिया होगा.

एक दूसरे यूजर ने लिखा, ये वीडियो इस बात का सबूत है कि ईशा मालवीय नागिन बनने के लिए कितनी परफेक्ट हैं. ईशा मालवीय के डांस मूव्स तो बस कमाल ही हैं. ईशा मालवीय की इस वीडियो ने साफ कर दिया है कि वो नागिन में धमाल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. हालांकि अब तक भी ईशा मालवीय के नाम पर नागिन 7 के मेकर्स ने मुहर नहीं लगाई है. बताया जा रहा है कि नागिन 7 जून 2025 तक टीवी की दुनिया में दस्तक दे देगा. तब तक ईशा मालवीय के फैंस को थोड़ा इंतजार करना होगा. ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए.

अनन्या पांडे बनीं फ्रेंच ब्रांड चैनल की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर

उन्होंने डिजाइनर राहुल मिश्रा के सुपरहीरो संग्रह के लिए रैंप वॉक किया केसरी चैप्टर 2 को 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज़ किया जाएगा, जो इसके पिछले भाग की सफलता के बाद आया है, जो 2019 में सारागढ़ी की लड़ाई पर केंद्रित था। मूल केसरी फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने मुख्य भूमिका निभाई थी और इसमें 1897 की लड़ाई में 21 सिख सैनिकों की वीरता को दिखाया गया था।

अनन्या पांडे को फ्रांसीसी लक्जरी फैशन ब्रांड चैनल के लिए पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया है । 26 वर्षीय, प्रतिष्ठित लेबल के साथ यह पद पाने वाली एकमात्र भारतीय भी हैं, जिसे 1910 में गैब्रिएल कोको चैनल द्वारा स्थापित किया गया था । बुधवार को, कॉल मी बे अभिनेत्री ने नई यात्रा के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, रोमांचक खबर साझा करने के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, @chanelofficial के साथ अपनी यात्रा के लिए बेहद आभारी और उत्साहित हूं। भारत की और भारत की पहली ब्रांड एंबेसडर । उनकी नियुक्ति पिछले साल पेरिस फैशन वीक के दौरान चैनल स्प्रिंग–समर शो में उपस्थिति के बाद हुई है। उन्होंने डिजाइनर राहुल मिश्रा के सुपरहीरो संग्रह के लिए रैंप वॉक किया केसरी चैप्टर 2 को 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज़ किया जाएगा, जो इसके पिछले भाग की सफलता के बाद आया है, जो 2019 में सारागढ़ी की लड़ाई पर केंद्रित था। मूल केसरी फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने मुख्य भूमिका निभाई थी और इसमें 1897 की लड़ाई में 21 सिख सैनिकों की वीरता को दिखाया गया था। केसरी चैप्टर 2 के साथ, फिल्म निर्माताओं का उद्देश्य न्याय की अथक खोज और औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ प्रतिरोध की स्थायी भावना को प्रदर्शित करके भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत का सम्मान करना है।

मलाइका अरोड़ा को इवेंट में देख बहुत खुश हुई काजोल, जाकर लगा लिया गए

इस इवेंट में दोनों ही बहुत प्यारी लग रही थीं. जैसे ही काजोल ने मलाइका को देखा तो वो जाकर उन्हें हग करने लगी.मलाइका और काजोल दोनों ही बहुत प्यारी लग रही थीं. जब दोनों को साथ में देखा तो फैंस भी बहुत खुश लग रहे थे.काजोल इवेंट में पोज दे रही थीं तभी मलाइका वहां से निकल रही थीं. मलाइका को देखकर वो उनके पास गईं. मलाइका को देखकर काजोल के खुशी के एक्सप्रेशन खूब वायरल हो रहे हैं.उसके बाद दोनों ने पैपराजी के लिए पोज भी दिए।

काजोल और मलाइका अरोड़ा दोनों ही 90 के दशक की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं. काजोल अपनी एक्टिंग और मलाइका अपने डांस नंबर के लिए जानी जाती हैं.मलाइका अरोड़ा, काजोल और कई सेलेब्स साथ में एक इवेंट में पहुंचे थे. इस इवेंट में दोनों ही बहुत प्यारी लग रही थीं. जैसे ही काजोल ने मलाइका को देखा तो वो जाकर उन्हें हग करने लगी.मलाइका और काजोल दोनों ही बहुत प्यारी लग रही थीं. जब दोनों को साथ में देखा तो फैंस भी बहुत खुश लग रहे थे.काजोल इवेंट में पोज दे रही थीं तभी मलाइका वहां से निकल रही थीं. मलाइका को देखकर वो उनके पास गईं. मलाइका को देखकर काजोल के खुशी के एक्सप्रेशन खूब वायरल हो रहे हैं.उसके बाद दोनों ने पैपराजी के लिए पोज भी दिए। उनके पोज देते हुए फोटोज वायरल हो रहे हैं.मलाइका के लुक की बात करें तो वाइन कलर की ड्रेस पहनी थी. जिसमें ऊपर का पार्ट फ्लोरल था और नीचे स्कर्ट की तरह था.मलाइका ने अपने लुक को बन और सिंपल ईयररिंग से कंप्लीट किया था. 51 की उम्र में भी मलाइका बला की खूबसूरत लग रही हैं. काजोल के लुक की बात करें उन्होंने ब्लैक कलर की साड़ी पहनी थी. ट्रेडिशनल लुक में काजोल बहुत प्यारी लगती हैं।

आज होगा हिन्दी फिल्म जानकी भाग–1 और छत्तीसगढ़ी फिल्म गुईया–2 का ट्रेलर लॉन्च

बुढ़ा तालाब समीप श्याम सिनेमा परिसर में होगा भव्य आयोजन

अमलेश नागेश और दिलेश साहू की जोड़ी स्टेज पर मचाएंगे धमाल

छत्तीसगढ़ सिनेमा के इतिहास में ऐसा पहली बार दो मेगा फिल्मों का ट्रेलर एक साथ लांच होगा। एन माही फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा निर्मित हिंदी–छत्तीसगढ़ी फिल्म जानकी भाग–1 और छत्तीसगढ़ी फिल्म गुइया–2 का फर्स्ट ट्रेलर लांच स्थानीय श्याम टॉकीज परिसर में 17 अप्रैल 2025 को शाम 6 बजे से किया जाएगा। इस दौरान दोनों फिल्म के सभी प्रमुख कलाकार सहित फिल्म की पूरी टीम, निर्माता एवं एक्शन डिजाइनर छत्तीसगढ़ के निर्माता मोहित कुमार साहू भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। गुइया –2 से मुख्य अभिनेता अमलेश नागेश दिलेश साहू की जोड़ी धमाल मचाएंगे।वहीं भारतवर्ष में रिलीज़ होने वाली हिन्दी फिल्म जानकी भाग – 1 छत्तीसगढ़ी संस्कृति और रिति–रिवाज को बड़े पर्दे पर प्रदर्शित करके एक नई पहचान दिलाने को तैयार है।

इस अवसर पर इंडस्ट्री के सीनियर कलाकार, निर्माता, निर्देशकों ने एक ही बैनर की दो बड़ी फिल्म के ट्रेलर एक साथ लांच होने पर इसे छालीवुड इंडस्ट्री के लिए शुभ संकेत बताया है।निर्माता मोहित साहू ने बताया कि गुइया –2 अगले मई महीने के 2 तारीख की रिलीज होने वाला है, जबकि जानकी भाग–1 को 6 जून को रिलीज किया जाएगा।

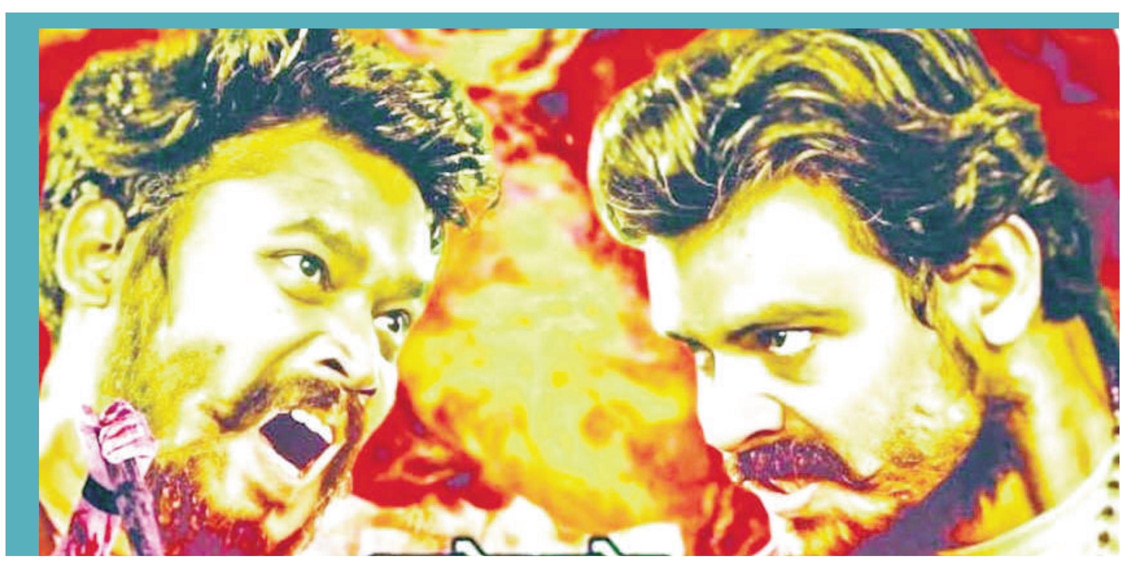

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401